पटना ● शुक्रवार, 06 दिसंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः321 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

वित्त अंकेक्षण, योजना व स्थाई ... 3 www. bordernewsmirror.com मलाइका अरोड़ा ने बिखेरा... 7

प्रियांक खड़गे ने ईडी को बताया 'गुलाम निदेशालय'

● कहा-जांच एजेंसी केंद्र सरकार की कठपुतली

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने गुरुवार को ईडी को गुलाम निदेशालय बताया। प्रियांक ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, प्रवर्तन निदेशालय एक गुलाम निदेशालय बन गया है। वे भाजपा सरकार की असहाय और लाचार कठपुतलियों के अलावा कुछ नहीं हैं। मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी मामले में सीएम सिद्धारमैया के खिलाफ ईडी की जो रिपोर्ट लीक की गई है, वह पूरी तरह से मनगढ़ंत है। दरअसल साल 1992 में मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने रिहायशी इलाके विकसित करने के लिए किसानों से जमीन ली थी। इसके बदले ईडी की इंसेंटिव 50-50 स्कीम के तहत जमीन मालिकों को विकसित भूमि में 50 फीसदी साइट या एक वैकल्पिक साइट दी गई। ईडी पर आरोप है कि उसने 2022 में सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को मैसूरु के कसाबा होबली स्थित कसारे गांव में उनकी 3.16 एकड़ जमीन के बदले मैसुरु के एक पॉश इलाके में 14 साइट्स आवंटित की।

सुखबीर बादल पर फायरिंग, अकाली दल ने पुलिस को घेरा

● मजीठिया का दावा-एक दिन पहले एसपी हमलावर आतंकी से मिले

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल पर फायरिंग को लेकर शिरोमणि अकाली दल और पंजाब पुलिस व एएपी सरकार आमने-सामने हो गए हैं। एक तरफ सीएम भगवंत मान से लेकर समूची एएपी लीडरशिप और मंत्री पंजाब पुलिस को सुखबीर की जान बचाने का क्रेडिट दे रहे है। वहीं अमृतसर पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत भुल्लर ने कहा कि वह फायरिंग की घटना की सुखबीर के प्रति सहानुभूति के एंगल से जांच करेंगे। इसके बाद अकाली नेता बिक्रम मजीठिया ने गोल्डन टेंपल का एक

सीसीटीवी फुटेज जारी कर दिया। इसमें उनका दावा है कि 4 दिसंबर को हुए हमले से एक दिन पहले 3 दिसंबर को अमृतसर पुलिस के एसपी हरपाल सिंह आतंकी हमलावर आतंकी नारायण सिंह चौड़ा से मिले थे। अकाली नेता परमबंस सिंह रोमाणा ने भी इसको लेकर सवाल खड़े किए कि एसपी ने चौड़ा से हाथ मिलाया। उसके साथ बात की। आखिर चौड़ा को उसी वक्त गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया।

झारखंड में हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल का विस्तार

● कैबिनेट में 5 पुराने मंत्री रिपीट, आरजेडी को एक मिला एक पद

रांची (एजेंसी)। हेमंत सोरेन के सीएम पद की शपथ लेने के 6 दिन बाद गुरुवार को राजभवन के अशोक उद्यान में 11 मंत्रियों ने शपथ ली। राज्यपाल संतोष गंगवार ने शपथ दिलाई। नई सरकार में 5 मंत्रियों को रिपीट किया गया है। जबकि, जेएमएम और कांग्रेस ने अपने 50 फीसदी मंत्रियों को बदला है। खास बात है कि राज्य गठन के बाद पहली बार फारवर्ड कोटे से मंत्री नहीं बनाया गया है। इससे पहले एक

या दो मंत्री हमेशा फारवर्ड कोटे से बनते रहे हैं। पिछली बार गढ़वा से चुनाव जीते मिथिलेश ठाकुर ब्राह्मण चेहरे के तौर पर मंत्री बने थे। इस बार वह चुनाव हार गए हैं। इसके बाद इंडिया ब्लॉक ने फारवर्ड कोटे को खत्म कर दिया है। जानकार मानते हैं कि फारवर्ड भाजपा के परंपरागत वोटर हैं। इस वजह से भी हेमंत सोरेन सरकार ने महत्व नहीं दिया। हालांकि, इस कोटे से मंत्री पद की रेस में चुन्ना सिंह और अनंत देव प्रताप का नाम चर्चा में था। मंत्रिमंडल में झारखंड मुक्ति मोर्चा से 6, कांग्रेस से 4 और राजद से एक विधायक मंत्री बने हैं।

जब संसद में हिन्दी-अंग्रेजी के फेर में फंस गए मंत्रीजी

सांसद ने ली चुटकी- ये सिलेबस से बाहर का है सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी को लोकसभा में मंगलवार (02 दिसंबर) को तब मुश्किलों का सामना करना पड़ा, जब एक सदस्य द्वारा हिन्दी में पूछे गए सवाल को वह समझ नहीं पाए। तब सदन में मौजूद सांसदों ने उन पर चुटकी ली और कहा कि ये सिलेबस से बाहर का सवाल है। हालांकि, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दखल देकर मामले को संभाल लिया। दरअसल, हुआ यूं कि महाराष्ट्र के भंडारा-गोंदिया से कांग्रेस सांसद प्रशांत यादवराव पडोले ने हिंदी में सवाल पूछा था। तब कन्नड़ भाषी मंत्री कुमारस्वामी का माइक सिस्टम हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद नहीं कर पाया और मंत्री उस सवाल को समझ नहीं सके। माइक सिस्टम में आई खराबी से जूझ रहे मंत्री ने तब सदन में सांसद से सवाल दोहराने का अनुरोध किया। एक लेख में छपे देल्ही कॉन्फिडेन्शियल कॉलम के मुताबिक, कुमारस्वामी ने तब कहा, क्या मैं माननीय सदस्य से सवाल दोहराने का अनुरोध कर सकता हूं। मैं हिंदी ठीक से नहीं समझ पा रहा हूं। मंत्री के इतना कहते ही एक विपक्षी सदस्य मामले में कूद पड़े। उन्हें यह कहते हुए सुना गया, क्या यह सवाल सिलेबस से बाहर का है। हालांकि, तभी स्पीकर ओम बिरला ने मामले में हस्तक्षेप किया और कांग्रेस सांसद से सवाल दोहराने को कहा और तब तक मंत्री ने उसका अनुवाद समझ लिया और फिर जवाब देने लगे। कांग्रेस सांसद ने इस्पात मंत्री से सवाल पूछा था कि इस्पात क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत

अभियान के तहत आयात पर निर्भरता कम करने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। बता दें कि इस्पात मंत्रालय ने देश में कुछ इस्पात वस्तुओं के आयात को कम करने और आयात पर अंकुश लगाने के लिए उस पर 25 प्रतिशत सुरक्षा शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह प्रस्ताव दो दिसंबर को केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के बीच हुई बैठक में आया। इंजीनियरिंग क्षेत्र के एमएसएमई निर्यातकों ने मंगलवार को कहा कि इस्पात आयात पर अतिरिक्त शुल्क लगाने के किसी भी कदम से घरेलू उत्पाद प्रतिस्पर्धा में नहीं रहेंगे और इस क्षेत्र से देश के निर्यात पर असर पड़ेगा।

संभल के 'रास्ते' यूपी में मुस्लिम वोटों पर कांग्रेस की नजर

राहुल के संभल जाने की नाकाम कोशिश पर बीजेपी का तंज

संभल (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अधिकारियों को पूर्व सूचना दिए बिना उत्तर प्रदेश के संभल जाने की कोशिश करने के लिए बुधवार को राहुल गांधी की आलोचना की और दावा किया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच अल्पसंख्यक समुदाय के वोटों के लिए हो रही प्रतिस्पर्धा के तहत नेता प्रतिपक्ष ने यह कदम उठाया। संभल

जिले में 24 नवंबर को एक मस्जिद के सर्वेक्षण के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मद्देनजर वहां 31 दिसंबर तक बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने तंज कसते हुए कहा कि राहुल गांधी ने 'किसी सहानुभूति' के लिए संभल जाने की कोशिश नहीं की, बल्कि मुस्लिम वोटों को भुनाने की कोशिश के तहत की।

संसद में गतिरोध, पक्ष-विपक्ष में बढ़ता जा रहा भारी टकराव

बाहर विपक्ष का घेरा, अंदर निशिकांत बोले-विपक्ष सरकार गिराने की कर रहा कोशिश

राहुल से पूछा- क्या आप खालिस्तान समर्थकों और कश्मीर तोड़ने वालों से नहीं मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र का गुरुवार को 8वां दिन था। इस दौरान भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के बीच तीखी बहस हुई। निशिकांत दुबे ने आरोप लगाए कि विपक्ष सरकार गिराने की लगातार कोशिशें कर रहा है। निशिकांत ने राहुल गांधी से पूछा कि क्या आप खालिस्तान समर्थकों और कश्मीर का विभाजन चाहने वालों से नहीं मिले। निशिकांत ने ये भी बताया कि विपक्षी नेताओं का एक धड़ा पीएम नरेंद्र मोदी की अगुआई में देश को मिली तरक्की को गलत साबित करना चाहता है। एक संस्था मीडियापार्ट ने एक रिपोर्ट में बताया कि इंडिया संगठन का

काम है कि कैसे संसद की कार्यवाही को रोका जाए। निशिकांत ने कहा कि मैं विपक्ष के नेता से ओपन सोसाइटी फाउंडेशन के सलिल चौधरी से संबंधों पर 10 सवाल पूछना चाहता हूं। क्या उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के लिए पैसा नहीं दिया। निशिकांत ने कहा कि राहुल अमेरिका गए थे और वहां मुश्फिकुल फजल से मिले। फजल, बांग्लादेश में हत्याओं के लिए जिम्मेदार हैं। राहुल इल्हान उमर, रो खन्ना और बारबरा ली से मिले थे। ये लोग अमेरिका में मोदी के कार्यक्रमों का विरोध करते हैं। आप (राहुल) उन लोगों से मिले, जो खालिस्तान बनाना चाहते हैं और कश्मीर का विभाजन कराना चाहते हैं।

गौरव गोगोई बोले- मोदी अब संभल में आग लगाना चाहते हैं

असम से सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि भाजपा झूठ बोल रही है। वे संसद नहीं चलाना चाहते। राहुल गांधी देश में शांति कायम करना चाहते हैं। पीएम मोदी ने जिस तरीके से मणिपुर में आग लगाई, वैसे ही संभल में आग लगाना चाहते हैं। राहुल गांधी को संभल जाने से रोका गया। विपक्षी सांसद काली जैकेट पहनकर संसद पहुंचे और गली-गली में शोर है, मोदी-अडाणी चोर हैं के नारे लगाए। संसद की पिछली 7 कार्यवाहियों में संभल हिंसा, मणिपुर हिंसा, किसानों की मांग का मुद्दा और अडाणी मामला सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। विपक्षी सांसदों के साथ राहुल और प्रियंका गांधी भी शामिल हुए। विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए ये भी कहा- स्कूल देखो- अडाणी, सड़कें देखो- अडाणी, ऊपर देखो- अडाणी, नीचे देखो- अडाणी के नारे लगाए। राहुल गांधी ने प्रदर्शन के दौरान कहा- आप (सरकार) कभी इन्वेस्टीगेशन कराओगे। आप करा सकते हो अपना ही इन्वेस्टीगेशन। मोदी जी, अडाणी जी की जांच नहीं करा सकते। क्योंकि मोदी, अडाणी की जांच कराएंगे तो अपनी ही जांच कराएंगे। मोदी और अडाणी दो नहीं, एक हैं। विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में कहा- जहां तक जीरो अवर (शून्यकाल) का सवाल है, स्पीकर सर ने कहा था कि उनकी (विपक्ष) और इधर वालों (सत्ता पक्ष) दोनों की बात सुनेंगे।

हम फिलिस्तीन देश बनाने के फैसले पर हैं कायम

एस जयशंकर बोले-

● बंधकों का मुद्दा कम नहीं आंक सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को संसद में बोलते हुए इजराइल के साथ एक संप्रभु और आजाद फिलिस्तीनी देश को भारत का समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि इजराइल-फिलिस्तीन संघर्ष खत्म करने के लिए भारत अपने टू स्टेट सॉल्यूशन यानि अगल फिलिस्तीन देश बनाने फैसले पर कायम है। विदेश मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद और बंधक बनाने के मुद्दों को कम करके नहीं आंका जा सकता या इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इजराइल के साथ डिफेंस पार्टनरशिप का बचाव करते हुए जयशंकर ने कहा- इजराइल ऐसा देश है जिसके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा में सहयोग का हमारा मजबूत रिकॉर्ड है। इजराइल उस वक्त भी हमारे साथ खड़ा रहा है जब हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में थी। हम जब कोई फैसला लेंगे तो एक बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखेंगे, लेकिन अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा का हित भी देखेंगे। संसद में प्रश्न काल के दौरान गाजा पर संयुक्त राष्ट्र के सभी प्रस्तावों से भारत दूरी को लेकर सवाल उठाया गया। जिसके जवाब में उन्होंने कहा- इजराइल-हमास संघर्ष की शुरुआत के बाद से, फिलिस्तीन से जुड़े 13 प्रस्ताव यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली में लाए गए, जिनमें से भारत ने 10 प्रस्तावों के सपोर्ट में वोट किया और तीन प्रस्तावों पर वोटिंग से परहेज किया। एस जयशंकर ने कहा कि इजरायल के साथ रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाने का भारत का फैसला देश की राष्ट्रीय सुरक्षा हितों पर आधारित है। उन्होंने कहा, जहां तक इजरायल का सवाल है यह एक ऐसा देश है जिसके साथ सुरक्षा में हमारा सहयोग मजबूत है।

महाराष्ट्र के एक 'नाथ' बने देवेंद्र फडणवीस

● पीएम मोदी की मौजूदगी में ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

● शिंदे और अजित पवार ने ली डिप्टी सीएम पद की शपथ

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानस्भा चुनावों में महायुति की प्रचंड जीत के बाद बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने 11 दिन बाद गुरुवार को मुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और 22 राज्यों के सीएम और डिप्टी सीएम की मौजूदगी में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने फडणवीस को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। देवेंद्र फडणवीस को 4 दिसंबर को बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया था। गुरुवार को शपथ लेने से पहले फडणवीस सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे थे। वहां पर उन्होंने गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया था। इसके बाद उन्होंने गौमाता की पूजा भी की थी। शपथ समारोह में पहले देवेंद्र फडणवीस और फिर उनके बाद एकनाथ शिंदे व अजित पवार ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ तमाम राज्यों के मुख्यमंत्री मौजूद रहे। फडणवीस के साथ मुंबई के आजाद मैदान में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख अजित पवार ने भी शपथ ग्रहण की। इसके अलावा अभी तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे एकनाथ शिंदे ने भी शपथ ग्रहण की। दोनों को नई सरकार में डिप्टी सीएम बनाया गया है। महायुति की पिछली सरकार में एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री थे। देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार उपमुख्यमंत्री थे। बीजेपी के 132 सीटें जीतने के देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री के दावेदार बनकर उभरे थे। आखिर में उनके नाम पर ही मुहर लगी।

महाराष्ट्र की सियासत में दबाव बनाते रहेंगे शिंदे

फिर से अमित शाह से मिलने की शुरू की तैयारी

मुंबई (एजेंसी)। एकनाथ शिंदे आखिरी वक्त में डिप्टी सीएम का पद स्वीकार करने और शपथ के लिए तैयार हो गए लेकिन अब भी उन्होंने दबाव बनाने की रणनीति नहीं छोड़ी है। खबर है कि शपथ समारोह के बाद वह होम मिनिस्टर अमित शाह से मुलाकात करेंगे। इस मीटिंग में एकनाथ शिंदे मांग कर सकते हैं कि उन्हें ही होम मिनिस्ट्री दी जाए। यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर शहरी विकास मंत्रालय के अलावा कोई और ताकतवर मिनिस्ट्री उनके दी जाए। शिवसेना के सूत्रों ने जानकारी दी है कि एकनाथ शिंदे शपथ समारोह के बाद अमित शाह से मुलाकात करेंगे। महायुति के दलों के बीच अब तक मंत्रियों की संख्या पर भी डील नहीं हुई है। इसके अलावा मंत्रालयों के बंटवारे को लेकर भी रस्साकशी जारी है। एक तरफ होम मिनिस्ट्री के लिए शिंदे सेना की दावेदारी है तो वहीं वित्त मंत्रालय के लिए अजित पवार की पार्टी जोर-आजमाइश कर रही है।

हफ्तेभर पहल बने संगठन ने किया बांग्लादेश मिशन पर हमला

अगरतला (एजेंसी)। अगरतला में बांग्लादेश मिशन के ऊपर हमला करने वाला संगठन महज एक हफ्ते पहले ही बना था। इस हमले के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने संगठन की नाम लेकर आलोचना भी की थी। हिंदू संघर्ष समिति नामक इस संगठन ने बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय दास प्रभु की गिरफ्तारी के बाद अपनी नाराजगी दिखाने के लिए अगरतला में बांग्लादेश मिशन में तोड़फोड़ की और वहां से बांग्लादेशी झंडा भी हटा दिया था। इस घटना के बाद पुलिस ने 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया था, जिन्हें बाद में जमानत पर छोड़ दिया गया। इस घटना में वीएचपी और बजरंग दल ने किसी भी तरह का हाथ होने से इनकार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ जारी हिंसा के बीच ऐसे संगठनों की तादाद लगातार बढ़ रही है। नए बने संगठन के नेता शंकर रॉय ने बताया कि समूह का गठन आरएसएस और वीएचपी जैसे समान विचारधारा वालें समूहों की मदद के लिए एक छात्र संगठन के रूप में किया गया था। हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य बांग्लादेश में हिंदुओं को खिलाफ हो रहे अत्याचारों को खिलाफ जनता को एकजुट और जागरुक करना है। वहां संतों के खिलाफ अत्याचार हो रहा इसलिए विरोध है।

दौसा सांसद मुरारीलाल मीणा ने राजमार्गों के परिवर्तन को लेकर गडकरी से की मुलाकात

परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गटकरी ने इसे शीघ्र पूरा करने का दिया आश्वासन

नईदिल्ली। दौसा (राजस्थान) सांसद मुरारीलाल मीणा ने अपने संसदीय क्षेत्र में पड़ने वाले विभिन्न राजमार्गों के परिवर्तन को लेकर सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गटकरी से एक बैठक के दौरान मुलाकात कर यथाशीघ्र कार्यवाई की मांग की है। इस दौरान श्री मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-21 पर 46 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जो सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण हैं। अतः उक्त मार्ग पर फ्लाईओवर और अंडरपास निर्माण होनी चाहिए। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 148 (मनोहरपुर-दौसा) को चार लेन में विस्तारित करने की मांग करते हुए कहा कि चूंकि यह मार्ग धार्मिक और पर्यटन महत्व का है और खाटू श्याम जी एवं मेहंदीपुर बालाजी जैसे तीर्थ स्थलों को जोड़ता है।दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर इंटरचेंज का निर्माण व दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के बांदीकुई द्वारपुरा-प्रतापपुरा के इंटरचेंज के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि इसको बांदीकुई पर मेगा हाईवे से जोड़ा जाये या इसको शिफ्ट कर पिचूपाड़ा पर बनाया जाये तभी इसकी उपयोगिता रहेगी। यह इंटरचेंज मेहंदीपुर बालाजी जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों और

बांदीकुई क्षेत्र के लिए आवश्यक है। राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-921 का चौड़ीकरण और बाईपास की स्वीकृति व महवा-मंडावर-राजगढ़ खंड के चौड़ीकरण के सरेखण (Aligment) और बाईपासो के लिए शीघ्र स्वीकृति की भी मांग की गई। जिससे क्षेत्रीय नागरिकों को बेहतर यात्रा सुविधाएं मिल सके। सांसद ने एक्सप्रेसवे एरिया में खाद्य पदार्थों की अत्यधिक कीमतों पर भी चर्चा की। इसके साथ हीं एक्सप्रेस- वे एरिया में शीघ्र ही छोटे छोटे दुकानदारों को भी जगह की स्वीकृति दी जाए ताकि आम जनता को इन सुविधाओं का लाभ मिल सके। सांसद श्री मीणा ने इन सभी मुद्दों को लेकर परिवहन व राजमार्ग मंत्री से शीघ्र कार्रवाई का आग्रह करते हुए कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र में सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। वहीं सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गटकरी ने इसे शीघ्र अमलीजामा पहनाने का आश्वासन दिया।

संक्षिप्त समाचार

जमुई में जदयू पार्टी दो हिस्सों में बटा : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह और पूर्व एमएलसी आमने सामने

जमुई, एजेंसी। जमुई में इन दिनों जदयू पार्टी दो भागों में बंटता हुआ दिख रहा है। एक और बिहार सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह है। तो दूसरी ओर पूर्व एमएलसी संजय सिंह आमने-सामने है। इसको लेकर जिले के चकाई प्रखंड में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसका नेतृत्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह कर रहे थे। दूसरी ओर पूर्व एमएलसी संजय सिंह 7 दिसंबर को श्री कृष्णा सिंह स्टेडियम के मैदान में होने वाले जदयू सम्मेलन की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ अलग-अलग बैठक कर कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर लोगों को जागरूक कर रहे है। वहीं दोनों नेताओं की ओर से अलग-अलग कार्यकर्ताओं को जुटाया जा रहा है। वहीं बुधवार की देर शाम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री सुमित कुमार सिंह ने एमएलसी संजय सिंह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यहां जल्द ही विधानसभा प्रभारी आ रहे है। जल्द ही सब कुछ साफ हो जाएगा।

छत से पानी गिरने पर मां-बेटे की हत्या : मुजफ्फरपुर में पड़ोसी ने दोनों को 5 गोलियां मारीं

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में छत से पानी गिरने को लेकर मां-बेटे की हत्या कर दी गई। नाली और छत से पानी गिरने को लेकर रोहित और जानकी देवी का पड़ोसी से विवाद हुआ था। बुधवार को रोहित और उसकी मां घर में अकेले थे। वार्ड पार्षद पिता मदन साह अपने बड़े बेटे के पास रांची गए थे। विवाद के दौरान पड़ोसियों ने फायरिंग कर दी, जिसमें 3 गोली रोहित कुमार और उसकी मां जानकी देवी को 2 गोली लग गई। घटना सदर थाना क्षेत्र के पताही गांव के हरि टोला की है। ये हत्या बुधवार देर रात हुई है। गोली लगने के बाद दोनों को परिजन अस्पताल लेकर भागे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। दोनों को शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया है। डबल मर्डर के बाद से आरोपी पड़ोसी फरार हैं। सिटी एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि देर शाम को सूचना मिली कि दो पक्षों में लड़ाई हुई है। इसमें एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के लोगों पर फायरिंग की गई है। गोली लगने की वजह से रोहित कुमार और उसकी मां की मौत हो गई है। घटना का प्रारंभिक कारण सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच पानी को लेकर विवाद हुआ है। छत से पानी दूसरे पक्ष के घर पर गिरता है। दो-तीन दिन से दोनों पक्ष में लड़ाई भी हो रही थी।

ओरियप की टीम ने भागलपुर को 30 रन से हराया

भागलपुर, एजेंसी। श्यामपुर पंचायत के जान मोहम्मदपुर में पंचायत स्तरीय शैलेंद्र कुमार सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का बुधवार को छठा लीग मैच खेला गया। भागलपुर वार्ड नंबर 28/29 और ओरियप की टीमों के बीच मैच हुआ। इसमें ओरियप की टीम ने भागलपुर को 30 रन से हराया। टॉस जीतकर ओरियप की टीम ने बल्लेबाज़ी करने का निर्णय लिया। निर्धारित 10 ओवर में तीन विकेट के नुकसान ओरियप की टीम ने 159 रन बनाए। जवाब में बल्लेबाज़ी करने उतरी भागलपुर की टीम 10वें ओवर तक खेलकर छह विकेट के नुकसान पर 129 रन हीं बना सकी। ओरियप पंचायत की टीम 30 रन से विजयी हुई। ओरियप के दीपक को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। जिसने बल्लेबाजी करते हुए 17 बॉल पर 64 रन बनाए तो गेंदबाजी करते हुए दो विकेट भी झटके।

बेटी ने मां के खिलाफ डीआईजी से की शिकायत कहा- दहेज के झूठे केस में मेरे पति को फंसाया

चाचा मां को फुसलाकर पुराने केस का लेना चाहते बदला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में बेटी ने अपनी मां पर उसे और उसके पति को दहेज और मारपीट के केस में फंसाने का आरोप लगाया है। युवती ने बुधवार को डीआईजी को ज्ञापन सौंपा है। युवती का कहना है कि 3 साल पहले उसके परिवार वालों ने प्रेम प्रसंग के बाद सहमति से उनकी शादी कराई थी। अब चाचा और उनके परिवार के बहकावे में आकर 3 लाख दहेज मांगने और दामाद द्वारा मारपीट करने का झूठा केस दर्ज कराया है।

युवती का नाम शाहीन परवीन है। पति का नाम मो, जावेद है। ये जजुआर (कटरा) थाना क्षेत्र के नगवारा गांव के रहने वाले हैं। युवती शाहीन का कहना है कि उसकी शादी 3 साल पहले ही दोनों परिवारों के आपसी सहमति के बाद हुई। इस शादी में पंचनामा भी बना है। पंचनामा पर लड़की की मां अजमेरी खातून,चाचा मो. कैश और लड़के के अभिभावक मो. मुबारक सहित 6 अन्य गवाहों ने साइन किए थे।

भाग कर शादी करने का झूठा आरोप

अब मेरी मां ने मो. शहाबुद्दीन के बहकावे में आकर मेरे पति के ऊपर 2 दिसंबर को मुकदमा किया है। मां अजमेरी खातूव के दिए आवेदन में कहा गया है कि मैंने साल 2021 में अपने प्रेमी जावेद संग भागकर शादी कर ली थी। इसके बाद से मेरी मां ने मुझसे बातचीत बंद कर ली और हमसे नाता भी तोड़ लिया। क्योंकि समाज

में उनकी बदनामी हो गई थी। जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ था। मेरी मां ने आवेदन में कहा कि मेरी पति जावेद अब तीन साल बाद घर वापस आकर दहेज की डिमांड कर रहे और दहेज नहीं देने पर एक कट्ठा जमीन पर कब्जा कर लिया है। मेरी मां ने जजुआर थानाध्यक्ष पर भी मुकदमा लिखने के एवज में 20 हजार रुपए घूस लेने का आरोप लगाकर डीआईजी को आवेदन दिया है। मेरी मां यह सब गांव के ही मेरे चाचा मो.शहाबुद्दीन के बहकावे में आकर कर रही।

युवक के चाचा पर लड़की के चाचा ने किया था जानलेवा हमला

क्योंकि मो. शहाबुद्दीन कटरा थाने में केस संख्या 156/2017 में मुख्य आरोपी है। इस मामले में सुलह कराने के लिए मेरे चचेरे ससुर पर दबाव बनाने लगे। जब वो नहीं माने तो मेरी मां को बहला फुसलाकर थाने में केस कराकर फंसा दिया। यहां तक कि मेरी मां ने मुझे जो एक कट्ठा जमीन घर बनाने के लिए दिया था, उस पर बन रहे घर को अवरुद्ध कर दिया है।

पति ने कहा- सास ने ही दी थी जमीन : पति मो. जावेद ने बताया कि हमारी शादी गांव के रिवाज के अनुसार हुई थी। हमारी शादी दोनों के परिवार की सहमति से हुई थी। उस वक्त मेरे पिता शादी के खिलाफ थे। मुझे हर चीज से बेदखल कर दिया था। उस वक्त शाहीन की मां ने कहा था कि कुछ नहीं मिलेगा तो हमलोग एक कट्ठा जमीन में घर बनाकर देंगे। एक माह पहले भी शाहीन की मां तैयार थी। शाही के चाचा पर केस है, उसे लेकर ही विवाद हुआ है। आज डीआईजी के पास आए हैं और न्याय की गुहार लगा रहे हैं।

2017 में लड़के के चाचा पर हुआ था अटैक

पूरे मामले की शुरुआत साल 2017 में केस नंबर 156/17 से हुई है। शाहीन का पति मो.जावेद इस केस का गवाह था। जावेद का चाचा मो.तैयाब 22 दिसंबर 2017 को अपने घर पर सुबह के वक्त पेपर पढ़ रहे थे।तभी लड़की के चाचा मो.सहाबुद्दीन ने सात लोगों के साथ दरवाजे पर चढ़कर जानलेवा हमला कर दिया। उसे मारा-पीटा और अधमरा कर छोड़ दिया। वहां मौजूद जावेद ने सब देख लिया। उसी में मो.जावेद पुलिस की तरफ से गवाह बना, जिसके बाद सुलह का दबाब बनाते हुए जावेद को धमकी दी कि केस में मेरे खिलाफ गवाही मत दो, नहीं तो अंजाम बुरा होगा। वही 7 साल बाद 2024 के अक्टूबर में लड़की के चाचा मो.सहाबुद्दीन के खिलाफ वारंट इशू हुआ है। इधर, मो.जावेद ने उनकी बात मानने से इनकार कर दिया और कहा कि वह गवाही देगा तब मो.जावेद के सास ससुर को बहला फुसलाकर बेटी-दामाद पर केस करवाने का आरोप है।

3 साल बाद घर लौटी बेटी तो शुरू हुआ मामला : तीन साल बाद जब वह घर लौटी तो पति के साथ दहेज की डिमांड कर रही है। नहीं देने पर उसके एवज में 22 नवंबर को एक कट्ठा जमीन पर कब्जा कर लिया। उस जमीन पर बालु सीमेंट गिराकर भवन निर्माण शुरू कर दिया है। शाहीन की मां अजमेरी खातून ने बताया था कि हमारी लड़की ने परिवार के खिलाफ होकर गांव के लड़के से शादी रचा ली। शादी के बाद अपने? प्रेमी के साथ रहने लगी। तीन साल बाद गांव लौटी है। दामाद मोहम्मद जावेद मना करने पर अपने लोगों के साथ मारपीट करता है। पुलिस भी कुछ कार्रवाई नहीं कर रही है। एफआईआर के बदले मोटी रकम की डिमांड की जा रही है।

पुलिस पर कार्रवाई न करने के आरोप : लड़की के चाचा मोहम्मद सहाबुद्दीन ने बताया था कि लगातार सभी कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं। स्थानीय पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही है। लगातार परिजनों को मारा पीटा जा रहा है। कॉल करने पर भी पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंचती है। जबरन निजी जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। पुलिस बड़ी घटना का इंतजार कर रही है।

2 दिसंबर को मां तिरहुत डीआईजी के पास पहुंची थी

इस पूरे मामले को लेकर शाहीन परवीन की मां अजमेरी खातून ने 2 दिसंबर को तिरहुत छठ्ठल बाबू राम से मुलाकात कर आवेदन सौंपा था। इसमें जजुआर थाना के पुलिस पदाधिकारियों के ऊपर भी आरोप लगाए गए हैं। प्राथमिकी दर्ज करने के एवज में 20 हजार रुपए मांग करने की बात कही है। घटना जजुआर थाना क्षेत्र के नगवारा की है। पीड़िता ने गांव के ही 6 लोगों को आरोपी बनाया था। इसमें मो.शमीम, मो.जाकिर उर्फ कालिया, मो. जावेद, मो.तैयब, मो. नसीम, मो. राहत शामिल है। बताया कि तीन साल पहले शाहीन का उसके पड़ोसी जावेद से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बीच परिजनों को इस बात की भनक लगी। साल 2021 में वह अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई और शादी रचा ली। इस घटना से गांव और रिस्तेदारों के बीच बड़ी बदनामी हुई। इससे आहत होकर अजमेरी खातून ने बेटी से रिश्ता नाता तोड़ कर लिया था। यहां तक कि परिवार के लोगों ने बातचीत भी करना बंद कर दिया।

ट्रेनिंग में 3 बार बायोमेट्रिक अटेंडेंस बनाएंगे टीचर्स : पोस्टिंग वाले जिले में ही होगा सेवाकालीन प्रशिक्षण

पटना, एजेंसी। बिहार के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों का सेवाकालीन ट्रेनिंग कार्यरत जिलों में ही होगा। ट्रेनिंग की सूचना एक सप्ताह पहले ही शिक्षकों को दी जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान 3 बार बायोमेट्रिक अटेंडेंस बनाना होगा। इसके आधार पर ही शिक्षकों को ट्रेनिंग सर्टिफिकेट दिया जाएगा। जिन शिक्षकों का बायोमेट्रिक अटेंडेंस नहीं बनेगा, उनका प्रशिक्षण पूरा नहीं माना जाएगा। उनसे स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस. सिद्धार्थ ने राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक को पत्र लिखा है। प्रशिक्षण परिषद के निदेशक सभी जिलों के डीईओ को निर्देशित करेंगे। पहले केवल 1 बार ही अटेंडेंस बनाना होता था। ऐसे में शिक्षक सुबह अटेंडेंस लगाने के बाद सेंटर से चले जाते थे। इसके साथ ही दूसरे जिलों में प्रशिक्षण होने की वजह से समस्या होती थी। ऐसे में बायोमेट्रिक अटेंडेंस सुबह, दोपहर और शाम तीन समय अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही पोस्टिंग वाले जिले के शिक्षा मुख्यालय में ही प्रशिक्षण के लिए सेंटर

निर्धारित किया गया है।

44243 की काउंसिलिंग पूरी, नियुक्ति पत्र मिलेगा : सक्षमता परीक्षा पास 44243 शिक्षकों की काउंसिलिंग पूरी हो गई है। सर्टिफिकेट, आधार नंबर, नाम, फोटो, थंब इंप्रेशन सहित अन्य का वेरिफिकेशन हो चुका है। अब उनको नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। इससे पहले 20 नवंबर को 1.14 लाख शिक्षकों को नियुक्ति पत्र देकर राज्य कर्मचारी बनाया गया था। लेकिन, 44243 शिक्षकों को मार्कशीट, आधार कार्ड सहित अन्य कारणों से काउंसिलिंग नहीं हो सकी थी।

भोजपुर में बालू घाट पर रास्ते को लेकर हुआ था विवाद

श्रीराम हत्याकांड में दो आरोपियों की गिरफ्तारी, पकड़े गए आरोपी को भेजा जेल

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के संदेश थाना क्षेत्र के तीर्थकौल गांव के समीप बालू उठाव के लिए गए युवक की हत्या मामले में बुधवार को पुलिस ने दो नामजद आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान तीर्थकौल और नसरतपुर गांव निवासी अमित कुमार और निरंजन यादव के रूप में हुई है। दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। एसपी राज के अनुसार गिरफ्तार अमित कुमार का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। उसके विरुद्ध संदेश थाना में लूट एवं आर्म्स एक्ट के तीन केस मिले हैं। वो बालू घाट के रास्ते के संचालन से भी जुड़ा रहा है। कांड में अन्य की तलाश जारी है।

पिता ने बनाया आठ लोगों को नामजद आरोपित

एसपी ने बताया कि मृतक के पिता बलिराम सिंह ने संदेह जताते हुए आठ लोगों को नामजद आरोपित किया था। जिसके आधार पर पुलिस दोनों को पकड़ा है। शुरू से पुलिस की शक की सूई बालू घाट पर काम करने वाले संदिग्धों की ओर भी घूम रही थी। बता दें कि मृतक श्रीराम सिंह (20) संदेश थाना क्षेत्र के रेपुरा गांव निवासी बलिराम सिंह के पुत्र था। जिसके सिर और पीठ के भाग में गोली के जख्म का निशान पाया गया था। पुलिस को मृतक के पास से उसका मोबाइल और गोली का एक पिलेट भी मिला था। वो तीर्थकौल बालू घाट पर बालू लोडिंग करने का काम करता था। घटना की जानकारी मिलने के बाद कांड के उद्भेदन के लिए सदर एएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया था। वैज्ञानिक व तकनीकी रूप से जांच चल रही थी। मृतक का पूर्व का आपराधिक इतिहास भी रहा था। मृतक पटना के बालू कारोबारी

देवराज हत्याकांड में वांछित था। परिजनों से मिली सूचना के अनुसार, प्रतिदिन की तरह श्रीराम सिंह रविवार की रात करीब नौ-दस बजे घर से खाना खाकर तीर्थकोल गांव स्थित बालू घाट पर बालू लोड करने के लिए निकला था। सोमवार की सुबह तीर्थकौल गांव स्थित सत्संग भवन के पीछेस्थित आम के बगीचे से शव बरामद किया गया था। विश्वास में ले जाकर हत्या करने की बात सामने आ रही है।

बड़े शहरों में जाम से निजात के लिए स्पेशल प्लान हाईकोर्ट सख्त, चीफ सेक्रेटरी को दिया आदेश

पटना, एजेंसी। बिहार के बड़े शहरों को अतिक्रमण और जाम से मुक्त किया जाएगा। अतिक्रमण हटाकर उसकी वीडियोग्राफी कराकर मुख्य सचिव (सीएस) को भेजनी होगी। इस अभियान की शुरुआत राजधानी पटना से की गई है। पटना को जाम, अतिक्रमण और अवैध खटाल समेत ऐसे अन्य सभी अवैध संरचनाओं को हटाने से संबंधित याचिका की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सख्त निर्देश दिया है। इससे संबंधित आदेश में मुख्य सचिव को खासतौर से हलफनामा दायर करने के लिए कहा गया है। पटना में जाम वाले इलाकों को चिह्नित कर यहां से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करते हुए इसकी वीडियोग्राफी कराने के लिए कहा है। साथ ही अलग-अलग समय में की गई इन चुनिंदा स्थानों की वीडियोग्राफी को कोर्ट में प्रस्तुत करना है। इससे पहले और बाद की स्थिति स्पष्ट हो सके। इसके अलावा उच्च न्यायालय ने

पटना में दोबारा संबंधित स्थानों पर अतिक्रमण न हो, इसके लिए प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में कमेटी बनाने का भी आदेश दिया है। यह कमेटी निरंतर निगरानी और समन्वय स्थापित करने का काम करेगी। उच्च न्यायालय इस मामले में अगली सुनवाई 15 दिसंबर को करेगी। इस दिन मुख्य सचिव हलफनामा दायर करेंगे और अतिक्रमण हटाने, शहर में जाम की समस्या को दूर करने को लेकर की गई कार्रवाई से संबंधित पूरा ब्योरा स्पष्ट करेंगे। साथ ही यह भी बताएंगे कि सभी प्रमुख स्थानों से अतिक्रमण एवं सभी अवैध संरचना कब तक पूरी तरह से हटा दिया जाएगा। गृह विभाग की भूमिका इस पूरे मामले में समन्वय स्थापित करने की है।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक : इस आदेश को आनन-फानन में लागू करने के लिए पूरा प्रशासन हरकत में आ गया है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बुधवार को इससे संबंधित उच्च स्तरीय बैठक की गई। इसमें निर्णय लिया गया कि पटना के प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में एक निगरानी एवं समन्वय कमेटी गठित की जाएगी। इसमें आईजी, डीएम, एसएसपी, नगर आयुक्त, एसपी ट्रैफिक समेत अन्य सभी संबंधित अधिकारी सदस्य होंगे। यह कमेटी यह सुनिश्चित करेगी कि जिन प्रमुख स्थानों से एक बार अतिक्रमण हटा दिया गया है, तो दूसरी बार यह नहीं लगे।

संदिग्ध हालत में नवविवाहिता की मौत : मुजफ्फरपुर में फंदे से लटकी मिली लाश

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र में एक महिला का संदिग्ध स्थिति में शव बरामद होने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के मथुरापुर निवासी कुमोद कुमार की पत्नी संध्या कुमारी के रूप में की गई है। संध्या कुमारी का मायका सकरा थाना क्षेत्र के चासिमा गांव में है। बताया जा रहा है कि मंगलवार की रात मृतक महिला की अपने पति से खाने को लेकर विवाद हुआ था। पति गुस्से में बाहर जा कर सो गया। जब सुबह देखा कि महिला का शव पंखे से लटकता मिला है। आठ माह पूर्व ही महिला की शादी सदर थाना क्षेत्र के कुमोद कुमार के साथ हुई थी। घटना के बाद मृतका के ससुराल के लोग घर छोड़कर फरार है।

फिलहाल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए मुजफ्फरपुर एसकेएमसीएच भेज दिया है। संध्या कुमारी के ससुराल पक्ष के परिजन विपिन कुमार ने बताया कि जब सुबह गांव मे मालूम पड़ा कि कुमोद कुमार की पत्नी ने आत्महत्या कर लिया है, जिसके बाद मौके पर पहुचा तो देखा की पंखे से शव लटका हुआ था, जिसके बाद सूचना मिली और पोस्मार्टम के लिए एसकेएमसीएच लाए। सदर थानाध्यक्ष अस्मित कुमार ने बताया है कि ससुराल पक्ष के लोग सभी घर छोड़कर फरार हो गए हैं। फिलहाल महिला के परिजनों ने कोई आवेदन नहीं दिया है। पुलिस जांच कर रही है।

सेना में हवलदार घायल बोला- डांसर्स के साथ अभद्रता का किया था विरोध ; बदमाशों ने 20-25 राउंड की फायरिंग

शादी में दुल्हन के भाई को मारी गोली

आरा (भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के कोईलवर इलाके में बुधवार देर रात एक शादी में दुल्हन के भाई को गोली मार दी गई। दरअसल, बारात के स्वागत के लिए लड़की वालों की ओर से अर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था, जिसमें लेडी डांसर्स शामिल थीं। कुछ लड़के स्टेज पर चढ़कर डांसर्स के साथ अभद्रता करने लगे और हवाई फायरिंग करने लगे।

इसका विरोध करने पर लड़कों ने दुल्हन के भाई को गोली मार दी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया। मामला सक्कडी गांव का बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार देर रात शादी समारोह में नाच में नर्तकियों के साथ अभद्र व्यवहार और हर्ष फायरिंग का विरोध करने पर हथियारबंद बदमाशों ने दुल्हन के भाई को गोली मार दी । जख्मी युवक को गोली दाहिने हाथ के कोहनी में लगी। फायरिंग में घायल दुल्हन के भाई को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में पटना रेफर कर दिया गया।

घायल आर्मी में हवलदार के पद पर तैनात : घायल दुल्हन के भाई की पहचान वार्ड नंबर 7 निवासी अर्जुन शर्मा के 38 साल के बेटे राजेश कुमार के रूप में हुई है। राजेश आर्मी में हवलदार के पद पर जम्मू कश्मीर के राजौरी में तैनात है। पटना रेफर किए जाने से पहले दुल्हन के भाई राजेश ने बताया कि अपनी छोटी बहन काजल की शादी पटना जिले के मनेर गांव के रहने वाले मिथलेश शर्मा के बेटे अभिनाश शर्मा से हो रही थी। बुधवार को बारात आई थी। शादी समारोह में बारातियों के स्वागत के लिए नर्तकियों के नाच के कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

लड़की के गांव के रही रहने वाले हैं फायरिंग के आरोपी : राजेश ने बताया कि बारात आने के बाद द्वारपूजा और जयमाला हुआ। इसके बाद लोगों को खाना खिलाने का कार्यक्रम चल रहा था। इसी बीच गांव के 8 से 10 की संख्या में हथियार लेकर बदमाश शामियाना में घुस गए और फायरिंग करने लगे। राजेश ने बताया कि कुछ युवक स्टेज पर चढ़कर नर्तकियों के साथ अभद्र व्यवहार करने लगे। जब हम लोगों ने लड़कों को समझाने की कोशिश की, तो उन्होंने पहले कुर्सी चलाकर मारपीट की, फिर फायरिंग शुरू कर दी।

सरोज नाम के एक लड़के ने सामने से मुझ पर फायरिंग की। पहली बार बचा, लेकिन दूसरी बार गोली मेरे कोहनी में लगी। हथियारबंद बदमाशों ने करीब 20 से 25 राउंड फायरिंग की। घटना के बाद समियाना में मौजूद बाराती और घरातियों के बीच अफरा-तफरी मच गई। काफी देर बाद स्थिति काबू में आई। घटना के बाद विधिवत तरीके से शादी संपन्न हुई और गुरुवार सुबह दुल्हन को लेकर बारात पटना लौट गई।

कोहनी के आर-पार हो गई गोली

उधर, राजेश का सदर अस्पताल में इलाज करने वाले डॉक्टर ने बताया कि युवक के दाहिने हाथ के कोहनी में गोली लगी है, जो आर-पार हो गई है। गोली लगने के बाद काफी खून बह गया है जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई है। प्राथमिक उपचार के बाद जख्मी युवक को बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया गया है। वहीं घटना के सूचना मिलने के बाद कोईलवर थानाध्यक्ष नरोत्तम कुमार अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की छानबीन में जुट गए हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार की ओर से कोई आवेदन नहीं दिया गया है, आवेदन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। हथियारों की जांच की जाएगी कि ये लाइसेंस वाले हैं या फिर अवैध हथियारों से हर्ष फायरिंग की गई है।

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

वित्त अंकेक्षण, योजना व स्थाई समिति की जिप अध्यक्ष ने की सामान्य बैठक

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। जिला परिषद्, अध्यक्ष ममता राय की अध्यक्षता में गुरुवार को सामान्य स्थायी समिति व वित्त अंकेक्षण एवं योजना समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में जिप अध्यक्ष श्रीमति राय के द्वारा जिला परिषद् अन्तर्गत कार्यान्वित होने वाले योजनाओ के संबंध में त्वरित कार्यान्वयन हेतु जिला अभियंता, जिला परिषद् को निर्देश देते हुए जिला परिषदीय आवंटियों के साथ एकरारनामा/एकरारनामा का नवीकरण समय सीमा के अन्दर कराने का निर्देश दिया। उन्होने स्पष्ट तौर पर कहा कि जो आवंटी एकरारनामा एवं नवीकरण नहीं कराते है तथा बकाया किराया चुकता नहीं करते हैं उनसे सख्ती से निपटते हुए उनका आवंटन रद्द करने का निर्देश दिया। श्रीमती राय ने उन आवंटियो को हिदायत दिया जिन्होने आवंटित एरिया से अतिरिक्त एरिया पर अतिक्रमण किया हुआ है। उन्होने मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को निदेशित करते हुए कहा कि एक सप्ताह के अन्तर्गत अतिक्रमण खाली कराया जाय अथवा उन पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जिला परिषदीय शर्त के विरूद्ध कार्य करने के आरोप में उनका आवंटन रद्द किया जाय। श्रीमती राय ने यह भी कहा कि जितने भी आवंटी है उन्हे स्वयं नगर परिषद् का होल्डिंग टैक्स का भुगतान करना है साथ ही उन्होने जिला अभियंता को निदेशित किया की प्राथमिकता के तौर पर पकड़ीदयाल, छौड़ादानो, तुरकौलिया, घोड़ासहन एवं केसरिया के अतिक्रमित भूमि को शीघ्र खाली कराया जाए। कहा कि सैरातो के समीक्षा के क्रम में जिला अभियंता, जिला परिषद् को निदेशित किया की जिन सैरातो तथा वृक्षो की निलामी नहीं हो सकी है उसका तुरन्त निलामी की प्रक्रिया की जाय तथा जिन आवंटियो के यहां बकाया है उनपर प्रमाण पत्र मुकदमा दाखिल करते हुए एवं जिनके विरूद्ध प्रमाण पत्र मुकदमा दाखिल है उनके विरूद्ध वसूली की कार्रवाई हेतु विद्वान अधिवक्ताओ को ईन-पैनल करने का निदेश दिया। उन्होने यह भी कहा की ग्रामीण कार्य प्रमंडल के कार्यपाल अभियंताओ, वन विभाग के पदाधिकारियो, श्रम विभाग के अधिकारियो को अपने-अपने विभाग से सरकार के मार्गदर्शन में काम करने का सुझाव देते हुए प्रगति प्रतिवेदन, जिला परिषद् को भी उपलब्ध कराने का निदेश दिया। श्रीमती राय ने स्पष्ट तौर पर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को निदेशित किया कि जिन आवंटियो के यहां किराया लम्बित है उनके दुकान में अविलम्ब तालाबन्दी कराया जाय तथा उनके आवंटन को रद्द करने का प्रस्ताव उपस्थापित की जाय। इस मौके पर जिप सदस्य सहनाज बेगम, नजमा खातुन, उमरावती देवी, सोनालाल साह, कृष्णा दास, परमानन्द पटेल, लालबाबू प्र. यादव, मो. तौसीफुर रहमान, राकेश पासवान, सहयोजित सदस्य, शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय, संजीव कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त-सह- मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, शम्भू शरण पाण्डेय, अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, जिला अभियंता, जिला परिषद्, सहायक अभियंता, जिला परिषद् एवं अन्य संबंधित विभाग के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

आधी रात में हो रही फाइलेरिया परजीवी की खोज

- जांच में मिल रहे हैं फाइलेरिया संक्रमित लोग
- फरवरी में होगा सर्वजन दवा सेवन अभियान

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में आधी रात में फाइलेरिया के परजीवी की खोज के लिए स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा लोगों के रक्त जमा किए जा रहे हैं। लैब टेक्निशियन इसकी जाँच कर फाइलेरिया के संक्रमण का पता लगायेंगे। जाँच के दौरान कुछ स्थानों पर पॉजिटिव लोग भी मिल रहे हैं। नाईट ब्लड सर्वे के बाद स्वास्थ्य विभाग के द्वारा सभी जिलों में 10 फ़रवरी से सर्वजन दवा का सेवन कराया जाएगा। जिले के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि जिले के सभी 27 प्रखंडों में लोगों को फाइलेरिया से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्वे कर रात में सैंपल लिया जा रहा है। जांच में पाजिटिव पाए जाने पर मरीजों को स्वास्थ्य विभाग की तरफ से निःशुल्क दवा खिलाकर परजीवी को नियंत्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि टीम द्वारा रात में 8:30 बजे से अर्ध रात्रि 12 बजे तक लोगों का सैंपल ले रही हैं। रात के समय ही फाइलेरिया के परजीवी खून में अधिक सक्रिय होते हैं, इसलिए रात के समय में ही सैंपल लिया जाता है। जिले में 16 हजार 800 लोगों के रक्त की जाँच करने की योजना है। सिफार के प्रतिनिधि बिट्टू कुमार ने बताया कि बरियारपुर मोतिहारी के साईट पर 300 लोगों के रक्त के नमूने लिए जा चुके हैं। हाथी पाँव से बचने के लिए सर्वजन दवा का सेवन करना चाहिएः डब्लूएचओ की ज़ोनल कोऑर्डिनेटर माधुरी देवराजू ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत दो वर्ष से ज्यादा उम्र वाले प्रत्येक व्यक्ति को फाइलेरिया से सुरक्षित रहने के लिए डीइसी एवं एल्बेंडाजोल की दवा का सेवन आशा कार्यकर्ताओं के द्वारा कराया जाता है। इस दौरान सभी स्वस्थ लोगों को हाथी पाँव से बचने के लिए दवा का सेवन करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

डॉ. एसकेएस महिला महाविद्यालय में होगी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

- 18 दिसंबर व 19 दिसंबर को निर्धारित की गई है खेलकूद प्रतियोगिता की तिथि
- 06 दिसंबर से 16 दिसंबर तक सीबीसीएस यूजी (स्नातक) तृतीय सत्रार्ध की होगी आंतरिक परीक्षा

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ.श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में इस वर्ष भी वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। इस बात की जानकारी डॉ.श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) किरण कुमारी के द्वारा दी गई। इस प्रतियोगिता की तिथि 18.12.2024 व 19.12. 2024 को निर्धारित की गई है। इस खेलकूद प्रतियोगिता से छात्राओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। ये काफी खुश हैं। इस वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में निम्नलिखित खेल शामिल है जिसमें कबड्डी, खो -खो, लॉन्ग जंप, हाई जंप, एक सौ से चार सौ मीटर की रेस शामिल है। इस प्रतियोगिता में 100 से 200 मीटर का रेस महाविद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं के लिए भी रखा गया है। सभी खेल की ट्रेनिंग प्रतिभागियों को डॉ. मनोरमा राय, डॉ. प्रीति कुमारी, डॉ. ज्योति कुमारी, डॉ. अमित कुमार तथा डॉ. विपिन कुमार के द्वारा दी जाएगी। वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता की खेलकूद प्रभारी कुमारी रंजना के निर्देशन में इसका आयोजन किया जाएगा। दूसरी तरफ प्राचार्या ने इस बात की भी जानकारी दी कि महाविद्यालय में सीबीसीएस यूजी (स्नातक) तृतीय सत्रार्ध (3rd सेमेस्टर) सत्र 2023-2027 की आंतरिक परीक्षा की तिथि 06.12.2024 से 16.12. 2024 तक निश्चित की गई है। यह परीक्षा दो पालियों में कराई जाएगी। इस परीक्षा को लेकर महाविद्यालय की परीक्षा नियंत्रक डॉ.नीतू तथा सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ.अर्पणा ने पूरी तैयारी कर ली है। इस परीक्षा में इलेक्ट्रॉनिक सामग्री (फोन, ब्लूटूथ आदि किसी भी प्रकार के गेस पेपर तथा चीट पूर्जा का लाना वर्जित रहेगा। सभी छात्राओं को अपने साथ नामांकन रसीद लाना अनिवार्य होगा।

बेरोजगार युवकों को निशुल्क वितरण किया गया टूल किट व स्टडी किट

बीएनएम। मोतिहारी। श्रम संसाधन विभाग अंतर्गत जिला नियोजनालय पूर्वी चम्पारण द्वारा राज्य के बेरोजगार युवाओं को नियोजन सहायता उपलब्ध कराने के क्रम में टुल किट एवं स्टडी किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को जिला नियोजनालयल पूर्वी चम्पारण में किया गया। नियोजन सेवा का विस्तार कार्यक्रम के तहत नियोजनालय में निबंधित मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षित कुलः 08 अभ्यर्थियों को स्वरोजगार हेतु संबंधित ट्रेड का टुल किट निःशुल्क उपलब्ध कराया गया। साथ ही नियोजन-सह-मार्गदर्शन कार्यक्रम के तहत प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले न्यूनतम परिवारिक वार्षिक आय 1,80,000.00 से कम तथा नियोजनालय में निबंधित कुलः-21 अभ्यर्थियों को संबंधित परीक्षा की पुस्तकें स्टडी किट के रूप में निःशुल्क उपलब्ध करायी गई। कार्यक्रम में टुल किट एवं स्टडी किट का वितरण उप-विकास आयुक्त, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी द्वारा किया गया। उपस्थित लाभार्थियों को संबोधन के क्रम में उप विकास आयुक्त द्वारा टुल किट एवं स्टडी किट योजना को आर्थिक रूप से कमजोर बेरोजगा युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़कर बेहतर आजीविका प्राप्त करने में उपयोगी बताया। प्रतियोगिता परीक्षा संबंधी पुस्तकों के अभाव में आर्थिक रूप से कमजोर अभ्यर्थी प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में मदद करेगा तथा वे सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकेंगे। इसी प्रकार तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी टुल किट का उपयोग स्वरोजगार के रूप में करते हुए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

पशु बलि रोकथाम जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

मोतीहारी। विश्व प्राणी कल्याण मण्डल एवं पशु प्राणी बलि निर्मूलन जागृति महासंघ के अध्यक्ष दयानंद स्वामी जी के नेतृत्व में नगर के रेड क्रॉस परिसर स्थित आईएमए भवन में गुरुवार को एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में पशु क्रूरता, विशेष रूप से धार्मिक आयोजनों में की जाने वाली पशु बलि के खिलाफ जागरूकता फैलाना और इसे रोकने के लिए ठोस कदम उठाने पर बल देना था।

विश्व प्रसिद्ध गढ़ी माई मेला के दौरान पशु बलि की रोकथाम के प्रयास- दयानंद स्वामी जी ने पडोसी देश नेपाल में प्रत्येक पांच वर्ष पर लगने वाला गढ़ी माई मेला के संदर्भ में कहा कि यह मेला धार्मिक आस्था का प्रतीक है, लेकिन इसमें पशुओं की बलि जैसी प्रथाएं आज भी जारी हैं, जो मानवता और आधुनिक समाज के मूल्यों के खिलाफ हैं। उन्होंने मेले में पशु बलि की संभावनाओं को रोकने के लिए आम जनता, स्थानीय प्रशासन, और पुलिस अधिकारियों से सजग रहने और त्वरित कार्रवाई करने की अपील की।

बिहार सरकार की सराहना और योगदान पर प्रकाश- स्वामी जी ने बिहार सरकार के उस प्रयास की सराहना की, जिसमें नेपाल सीमा से सटे जिलों के सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी कर पशु बलि रोकने के लिए सख्त निगरानी रखने को कहा गया है। यह कदम पशु कल्याण और क्रूरता के उन्मूलन की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है।

दयानंद स्वामी जी के द्वारा प्रमुख बिंदु और सुझाव दिए गए जिसमें -

1.धार्मिक आस्था और मानवता के संतुलन की आवश्यकता: स्वामी जी ने कहा कि पशु बलि जैसी प्रथाएं किसी भी धर्म या संस्कृति का वास्तविक संदेश नहीं हैं। हमें आस्था को हिंसा से मुक्त करना होगा और दया व करुणा के साथ अपने रीति-रिवाजों को अपनाना चाहिए।

2 पशु अधिकारों का संरक्षण: पशु भी हमारे पर्यावरण और जीवन चक्र का अहम हिस्सा हैं। उनके अधिकारों की रक्षा करना मानवता का दायित्व है। उन्होंने कहा कि "हर जीवन मूल्यवान है, और हमें अपनी परंपराओं को बदलने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए।

3.समाज और युवाओं की भूमिका: समाज के हर वर्ग, विशेष रूप से युवाओं से, इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की गई। स्वामी जी ने युवाओं को जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया, स्थानीय कार्यक्रमों और सामुदायिक अभियानों का उपयोग करने का सुझाव दिया।

4.नेहा कुमारी और वृषभ फाउंडेशन का सहयोग: इस मौके पर वृषभ फाउंडेशन की प्रतिनिधि नेहा कुमारी ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि पशु कल्याण के लिए समाज के हर व्यक्ति को जागरूक होकर पशु बलि जैसी प्रथाओं के खिलाफ खड़ा होना चाहिए।

भविष्य की योजनाएं और संकल्प -

विश्व प्राणी कल्याण मण्डल एवं पशु प्राणी बलि निर्मूलन जागृति महासंघ ने यह निर्णय लिया है कि:

जागरूकता अभियान: गांव-गांव और शहर-शहर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

प्रशासन के साथ समन्वय: पशु बलि रोकथाम में प्रशासनिक सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

कानूनी उपायों पर जोर: पशु क्रूरता रोकने के लिए कठोर कानूनों को लागू करने और जागरूकता फैलाने के लिए सरकार से आग्रह किया जाएगा।

समापन संदेश: दयानंद स्वामी जी ने कहा,"यह केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक नैतिक आंदोलन है, जिसमें हम सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमें मिलकर एक ऐसा समाज बनाना है जो करुणा, प्रेम और अहिंसा के सिद्धांतों पर आधारित हो।" इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों, प्रशासनिक अधिकारियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ी।

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। महिला एवं बाल विकास निगम समाज कल्याण विभाग व जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में महिला हिंसा उन्मूलन पखवाड़ा अंतर्गत पूर्व गर्भधारण और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम (पीसीपीएनडीटी एक्ट) से संबंधित अनुमंडल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन प्रखंड सभागार में अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम का संचालन महिला एवं बाल विकास निगम के जिला मिशन समन्वयक निधि कुमारी और जिला परियोजना प्रबंधक वीरेंद्र राम ने किया। इस मौके प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित द्वारा कहा कि बिहार में लिंग अनुपात में लड़कियों की घटती संख्या काफी चिंतनीय है। उन्होंने गर्भवती महिला का लिंग परीक्षण नहीं करने के लिए जागरूकता की बात कही। साथ ही लिंग आधारित हिंसा को पहचानने इस पर अंकुश लगाने की बात कही। मेडिकल ऑफिसर डॉ. सोनी के द्वारा पीसीपीएनडीटी अधिनियम पर चर्चा किया गया। उन्होंने कहा कि लिंगानुपात कम होने का सबसे बड़ा कारण अशिक्षा है। लिंग परीक्षण करना एवं कराना दोनों ही दंडनीय अपराध है इसमें पांच साल तक का जेल एवं 50000 से 100000 तक का आर्थिक दंड का प्रावधान है। इस कार्यशाला में बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अरेराज एवं संग्रामपुर द्वारा बाल विवाह निषेध अधिनियम एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के बारे में बताया गया। इसी क्रम में जिला परियोजना प्रबंधक,wcdc द्वारा महिला एवं बाल विकास निगम के सभी योजनाओं यथा महिला हेल्प लाइन 181,one stop centre, आपातकालीन हेल्प लाइन नंबर 112, एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के बारे में बताया गया। जिला मिशन समन्वयक,DHEW द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए बनाए गए कानून यौन उत्पीड़न रोकथाम (POSH)अधिनियम 2013 के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही शिकायत दर्ज करने हेतु she box पोर्टल के बारे में बताया गया। मौके पर अरेराज अनुमंडल के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी , केंद्र प्रशासक,OSC, लेखा सहायक DHEW, अरेराज अनुमंडल के सभी प्रखंड परियोजना प्रबंधक जीविका, अरेराज अनुमंडल की सभी लेडीज सुपरवाइजर एवं सेविका उपस्थित थी।

35 हजार का इनामी बदमाश शराब की खेप के साथ गिरफ्तार

नेपाल से स्कार्पियो में लोड कर ला रहा था शराब

बीएनएम। मोतिहारी

रक्सौल : जिले के रक्सौल थाना पुलिस ने 35 हजार का इनामी अपराधी अमीर सहनी के साथ एक अन्य को काले रंग के स्कार्पियो पर लदी भारी मात्रा में शराब के साथ गिरफ्तार किया है। दोनों नेपाल से स्कार्पियो में शराब को लोड कर भारत में ला रहे थे, जिसकी गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने रक्सौल थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा के नेतृत्व में छापेमारी करते हुए 72 पेटी नेपाली कस्तूरी शराब को जब्त किया गया। प्रत्येक पेटी में 30 पीस 300 एमएल शराब रखी हुई थी। पुलिस ने इस कार्रवाई में कुल 648 लीटर कस्तूरी नेपाली शराब को बरामद किया है। इसकी जानकारी देते एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि अपराधी आमिर सहनी पर पहले से ही 35 हजार का इनाम रखा गया था। गिरफ्तार तस्करों की पहचान रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर निवासी मोहन सहनी के पुत्र अमीर सहनी और पश्चिम चंपारण के मझौलिया थाना क्षेत्र के जौकटिया निवासी बागड़ सहनी के पुत्र देवनन्द कुमार के रूप में हुई है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

श्री रूद्र महायज्ञ आलोक नगर प्रांगण से निकाला गया शोभा कलश यात्रा

बीएनएम। बेतिया

- इक्कीस सौ एक कुंवारी कन्याओं जल यात्रा में रही शामिल
- गाजे बाजे के साथ निकाली शोभायात्रा

जिला के नौतन प्रखंड अंतर्गत पूर्वी नौतन पंचायत के आलोक नगर गांव श्री श्री 108 श्री रुद्र महायज्ञ का अगहन के शुक्ल पक्ष अष्टमी तिथि दिनांक 5 दिसंबर 2024 को शोभा यात्रा निकला गया। इस शोभायात्रा में शामिल कुंवारी कन्याओं की संख्या इक्कीस सौ एक बताई गई है। आपको बता दे की बड़े ही धूमधाम से गाजे बाजे के साथ। जल यात्रा निकला गया सभी जल यात्रा कन्याएं अपने माथे पर कलश लिए हुए कतार बाई कतर गंगा नदी की ओर जा रही थी। महायज्ञ की तिथि 5 दिसम्बर को प्रारंभ की जाएगी जिसमें खेल मे बड़ा झूला, मौत का कुआं, ब्रेक डांस, रामलीला, रासलीला, इत्यादि के द्वारा दर्शकों को मनोरंजन कराया जाएगा। आपको बता दे की जल यात्रा बैरिया प्रखंड के बथाना गंगा तट पर ब्राह्मण वेद मंत्र के साथ

यजमान सहित कुंवारी कन्याओ के द्वारा जल भरवाया गया। इस जल यात्रा से महायज्ञ की यज्ञ प्रारंभ की जाएगी। पूर्व उप प्रमुख राकेश श्रीवास्तव ने बताया कि शोभायात्रा की कंट्रोल करने के लिए नौतन थाना के गार्ड मैजुद रहे। कुंवारी कन्याओं को सुरक्षित तरीके से गंगा तट की ओर लेकर जा रहे हैं, सभी गार्ड कुंवारी कन्याओं का सहयोग करेंगे। कुछ महिला गार्ड को रखा गया है जो कि सभी कुंवारी कन्याओं के सहयोग करेगी कुंवारी कन्याओं का किसी प्रकार कोई कठिनाई न हो। बता दे कि कुंवारी कन्याओं को जल पिलाते हुए सुरक्षित तरीके से गंगा तट की ओर प्रस्थान किया जा रहा है। लड़कियों की सहयोग गांव के कुछ महिलाएं पानी के द्वारा पैर धोती हुई दिखाई दी। श्री रुद्र महायज्ञ का यज्ञ करता शिकारी यादव, नंदलाल यादव विजय गिरी, सूरज यादव एवं यज्ञ का अध्यक्ष राकेश कुमार श्रीवास्तव महमदीन मिया इत्यादि मौजूद रहे। आपको बता दे की महायज्ञ में अयोध्या का सुप्रसिद्ध रामलीला पार्टी मौजूद रहेगी।

मुख्यमंत्री के आगमन पर वाल्मीकि नगर के घोटवा में विकास का कार्य युद्ध स्तर पर जारी

बीएनएम। बेतिया

चंपारण की धरती वाल्मीकि नगर से महिला संवाद यात्रा की शुरुआत के क्रम में मुख्यमंत्री के 15 दिसंबर को संभावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय के मार्गदर्शन में संतपुर सोहरिया पंचायत के घोटवा टोला क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों की कवायद में जुट गया है। घोटवा टोला के ग्रामीणों की वर्षों से उपेक्षित मांग जंगली नाले पर पुल निर्माण को फिलहाल अमली जामा पहनाने की कवायद शुरू हो गई है।घोटवा टोला गांव में पेवर ब्लॉक लगाया जा रहा है। वहीं जंगली नाले पर लचका निर्माण का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। गांव के स्वास्थ्य केंद्र के नजदीक ओपन जिम और पार्क निर्माण का कार्य अधिकारियों की देखरेख में लगातार जारी है। वर्षों से पंचायत का यह उपेक्षित गांव मुख्यमंत्री के संभावित आगमन को लेकर विकास की राह पर चल पड़ा है ।गांव में विकास के नए-नए आयाम गढे जा रहे हैं। गांव के ग्रामीण और महिलाएं मुख्यमंत्री के इस निर्धारित आगमन को लेकर खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं । फूल कुमारी देवी, सकलदेव महतो, त्रिलोकी महतो, गेनिया देवी, शकुंतला देवी, शांति देवी आदि ने बताया कि बरसों बीत गए टाइगर रिजर्व के जंगल से सटे इस गांव में इतने अच्छे दिन कभी देखने को नहीं मिले। वाकई मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विकास पुरुष है । उनके चरणों के गांव में आने के पूर्व गांव की काया पलटने लगी है। अब गांव के बच्चों को बरसात के दिनों में जंगली नाले को पार करने में डर और भय के साए से गुजरना नहीं पड़ेगा। अब उनकी पढ़ाई नाले के पानी के कारण बाधित नहीं होगी। अधिकारियों द्वारा गांव को नए रूप देने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। विद्युत विभाग के द्वारा गांव में विद्युत की समुचित व्यवस्था की जा रही है ।आवश्यक जगह पर बिजली के खंभे लगाया जा रहे हैं पेपर ब्लॉक से गांव की गली से धूल मिट्टी का निशान मिट गया है। इस अवसर पर मनरेगा के कार्यपालक अभियंता सुरेश कुमार चौधरी, मनरेगा डायरेक्टर अमित कुमार उपाध्याय, मनरेगा पीओ बगहा दो संजीव राय, जिला पार्षद अध्यक्ष निर्भय महतो, मुखिया प्रतिनिधि रमेश कुमार महतो,इडीसी अध्यक्ष राजेश काजी समेत अन्य उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

लगातार चोरी की घटना को रोकने को लेकर थानाध्यक्ष ने व्यवसायियो के साथ की बैठक

बीएनएम। तुरकौलिया लगातार चोरी की घटना को रोकने को लेकर थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने तुरकौलिया के सभी दुकानदारों के साथ बैठक किया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जहां ठंड के मौसम में चोरी की घटना को रोकने के लिए थानाध्यक्ष ने व्यवसायियों के साथ विचार विमर्श की। वहीं ज्यादातर व्यवसायियों ने कहा कि रात में पुलिस गस्ती बढ़ा दिया जाता है तो चोरी की घटना को रोक जा सकता है। हाल ही में तुरकौलिया स्कूल चौक स्थित इलेक्ट्रॉनिक दुकान में हुई चोरी की घटना के बारे में व्यवसायियों ने थानाध्यक्ष को बताया। बैठक में निर्णय लिया गया कि चौक व बाजार में निजी गार्ड सभी दुकानदार रखेंगे। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि पुलिस व्यवसाई को हर संभव सहयोग देने के लिए तत्पर है। रात को पुलिस ग़स्ती के दौरान एक्टिव मोड में रहेगी। बैठक के दौरान सरपंच संघ के अध्यक्ष सह व्यवसाई विजय सिंह, अशोक सिंह, विनोद सहनी, सूरज गुप्ता, शक्तिमान पटेल, आलोक कुमार, पंकज कुमार, रघुवर प्रसाद, मंटू कुमार, मुकेश कुमार, संजय गुप्ता सहित अनेक व्यवसाई सहित दारोगा मंदन कुमार शामिल थे।

प्री सर्वे को लेकर वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना में पहुंची डब्ल्यू डब्ल्यू एफ की 10 सदस्यीय टीम

बीएनएम।

बेतियाः वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना में जैव विविधता और अनुकूल वातावरण के कारण विभिन्न प्रकार के पशु,पक्षी,जीव जन्तु आदि का अधिवास क्षेत्र है। इस वन क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के जीव जंतु पाए जाते हैं। जिनमें से विभिन्न प्रकार के पक्षियों का गणना के उद्देश्य से वाल्मीकि टाइगर रिजर्व में गुरूवार से 10 सदस्य टीम जो वीटीआर के बीचो बीच से गुजरे गंडक नदी के क्षेत्र में वाल्मीकि नगर से बगहा तक विभिन्न प्रकार के पक्षियों की गणना करेगी। इस बाबत मौके पर मौजूद बेतिया डीएफओ आतिश कुमार व डब्ल्यू डब्ल्यू एफ के लैंडस्केप समन्वयक डॉ. प्रकाश मर्दराज के नेतृत्व में एशियाई जल पक्षी की गणना गंडक बराज के लव कुश घाट से लेकर साधु घाट तक की गई।जो 21 किलोमीटर तक की गई। यह सर्वे एकदिवसीय और 10 सदस्यीय टीम है। इसमें गंडक नदी के तटवर्ती क्षेत्रों में पाए जाने वाले लगभग 27 प्रजातियाँ दर्ज की गई है।जिसमे रूडी शेल्डक,बार हेडेड गूज,ब्लैक स्टॉर्क,मैलार्ड,रेड क्रेस्टेड पोचार्ड,कॉमन पोचार्ड आदि शामिल है।इन विभिन्न प्रकार के पक्षियों के साथ प्रवासी पक्षियों पर भी नजर रखी जाएगी। अमूमन जनवरी महीने में पक्षियों की गणना की जाती है। यह प्री सर्वे किया जा रहा है।इस अवसर पर डिवीजन 3 बगहा के रेंजर सुनिल कुमार,डब्ल्यू टी आई के प्रोजेक्ट हेड सुब्रत कुमार बेहरा,डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ के पीए अहबर आलम,डब्ल्यू डब्ल्यू एफ के साई कृष्णा, ऋषभ,गाइड शुभम कुमार, होशील कुमार आदि के अलावा कई कर्मी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार ने पुलिस चेक पोस्ट को उड़ाया,जवान घायल, एक गिरफ्तार

बीएनएम। बेतियाः ज़िला स्थित मंगलपुर गोपालगंज मुख्य पथ मे बरियारपुर के पास बने फुस की झोपड़ी में चल रहे पुलिस चेक पोस्ट को एक कार ने टक्कर मारी तैनात होमगार्ड के जवान बलिराम पासवान को घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार को जब्त कर चालक सह कार स्वामी बैरिया थाना के गजरवा बजार निवासी मंजर आलम को हिरासत में ले लिया है। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि घायल होमगार्ड जवान के बयान पर कांड अंकित कर लिया गया है। कार को जब्त कर चालक को गिरफ्तार कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है। थानाध्यक्ष ने बताया कि गुरुवार की दोपहर कार चालक अपने निजी कार से गोरखपुर से नौतन के रास्ते बैरिया जाने वाले थे।कार तेज रफ्तार से बरियारपुर के पास पहुंची जहां अचानक चेक पोस्ट से टकरा गई।जहां होमगार्ड जवान अपनी जान बचाकर भागा लेकिन फीर भी वह घायल हो गया।

वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना की सुंदरता को देख थाइलैंड से आए विदेशी महिला पर्यटक हुई गदगद

बीएनएम। बेतिया

बिहार का काश्मीर कहे जाने वाले वाल्मीकि टाइगर रिजर्व वन प्रमंडल 2 के वाल्मीकि नगर वनक्षेत्र में इस पर्यटन सत्र में विदेशी पर्यटकों का अकेले और समुह में आने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में थाइलैंड की महिला पर्यटक थानया विमोन गुरुवार की शाम को व्याघ्र परियोजना के जंगल कैंप पहुंची। टाइगर रिजर्व की सुंदरता को नजदीक से देखा और सराहा।विदेशी पर्यटकों ने जंगल सफारी के दौरान वाल्मीकि व्याघ्र परियोजना का भ्रमण किया। इस दौरान वह वीटीआर की प्राकृतिक सुंदरता को करीब से देख काफी प्रसन्न हुई। वीटीआर में भ्रमण के दौरान विदेशी पर्यटक को कई शाकाहारी और मांसाहारी वन्यजीवों के साथ मोर के कोलाहल के साथ खरगोश, भालू आदि को नजदीक से निहारने का मौका मिला ।भ्रमण पर पहुंचे विदेशी पर्यटक को यहां का जंगल और जंगल सफारी काफी पसंद आया।विदेशी पर्यटक थानया ने बताया कि वह मूल रूप से थाइलैंड की निवासी हैं। वीटीआर का सुंदरता और जंगल को घूमने के उद्देश्य से वाल्मीकिनगर आयी हूं। उल्लेखनीय है कि इन्हें वाल्मीकि टाइगर रिजर्व वनक्षेत्र की सुंदरता काफी पसंद आयी। इन्होंने बताया कि वीटीआर की खूबसूरती की जितनी तारीफ की जाए वह कम है। टाइगर रिजर्व के नजदीक से बहने वाली नारायणी गंडक नदी की कलकल कर बहने वाली धारा,जहां इसकी सुंदरता बढ़ाती है वहीं गंडक बराज पर घुमना और नेपाल की विदेशी धरती पर सर उठाए खड़ा पहाड़ को देखना रोमांचक है। इस सन्दर्भ में रेंजर शिव कुमार राम ने बताया कि विदेशी टूरिस्ट यहां वन्यजीवों के दीदार करके काफी खुश नजर आ रहे हैं। प्राकृतिक दृश्यों और वन्यजीवों को नजदीक से देखने का मौका पर्यटकों को आकर्षित करता है ,जिससे वीटीआर को ब्रांडिग मिलेगी। विदेशी पर्यटकों के भ्रमण करने के बाद वीटीआर प्रशासन और ज्यादा विदेशी पर्यटकों के आने की उम्मीद बनाए है। वर्तमान सीजन में कई विदेशी पर्यटक आएं हैं।आने वाले दिनों में वीटीआर की जैव विविधता , प्राकृतिक सौंदर्य भारतीय और विदेशी पर्यटकों को हमेशा अपनी तरफ आकर्षित करता रहा है। साल दर साल यहां पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है ।

उप राष्ट्रपति के आगमन पर मोतिहारी शहर के ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव

10 से 2 बजे तक बंद रहेंगे कुछ रास्ते

बीएनएम। मोतिहारी

उप राष्ट्रपति जगदीश धनखड़ सात दिसम्बर यानी शनिवार को बिहार के मोतिहारी आ रहे हैं। इसको लेकर प्रशासनिक तैयारी जोर शोर से की जा रही है। इस दौरान शहर की ट्रैफिक व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। 10 बजे पूर्वाह्न से अपराह्न दो बजे तक कचहरी से बलुआ फ्लाई ओवरब्रिज होते हुए नगर थाना चौक से स्टेशन रोड में पटेल चौक तक आमजनों के लिया यातायात बाधित रहेगा। इस दौरान सिर्फ एम्बुलेंस या कोई इमरजेंसी वाहन को ही अनुमति दिया जाएगा। इसके लिए कई जगह ड्रॉप गेट व पर्किंग स्थल बनाया गया है। उल्लेखनीय है,कि उप राष्ट्रपति सात दिसम्बर को सेंट्रल यूनिवर्सिटी के दीक्षान्त समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने पहुंच रहे है। समारोह का मुख्य कार्यक्रम राजा बाजार स्थित प्रेक्षागृह में आयोजित होगा। सुरक्षा के दृष्टिकोण से कचहरी चौक,बलुआ फ्लाईओभर ब्रिज के दोनो ओर राय हरिशंकर शर्मा द्वार अगरवा,नगर थाना से मोतीझील रोड की ओर व पटेल चौक स्टेशन रोड पर ड्रॉप गेट बनाया गया है। इसके अलावे सर्किट हाउस के आस पास एवं मजुरहां की ओर जाने वाले सड़को पर भी ड्राप गेट बनाया जा रहा है। जबकि पार्किंग के लिये समाहरणालय परिसर , सहित अन्य स्थलों को चिन्हित किया गया है। इस बाबत एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया है,कि यातायात नियम उलंघन करने वालो का फाइन कटेगा।

विश्व मृदा दिवस पर प्राकृतिक पोषण वाटिका का किया गया निर्माण

बीएनएम। मोतिहारी

विश्व मृदा दिवस के अवसर पर परसौनी कृषि विज्ञान केंद्र द्धारा प्राकृतिक पोषण वाटिका का निर्माण किया गया। इसकी जानकारी देते केन्द्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ आशीष राय ने बताया कि इस मौके पर किसानों खासकर महिलाओ को प्राकृतिक तरीके से पोषण वाटिका निर्माण की जानकारी दी गई। उन्होने बताया कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित, स्वस्थ और संपन्न रखने के लिए मिट्टी को स्वस्थ रखना काफी जरूरी है। क्योंकि हमारी थाली में भोजन के रूप जो भी आता है उसका सबसे बड़ा हिस्सा मिट्टी से ही आता है। ऐसे में अगर मिट्टी प्रदूषित हुई हमारी थाली भी प्रदूषित होगी। डॉ आशीष ने कहा कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति और मिट्टी को स्वस्थ बनाने के लिए केविके परसौनी लगातार कई स्तरो पर प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में प्राकृति पोषण वाटिका का निर्माण कर इसकी जानकारी किसानो और महिलाओं को दी जा रही है। ताकि ग्रामीण महिलाओं में इसके प्रति जागरूक किया जा सके। डॉ राय ने बताया कि अत्यधिक रसायन और कीटनाशक के उपयोग से मिट्टी में जैविक कार्बन की स्थिति बहुत गंभीर स्तर पर पहुंच गया है, जिस कारण उत्पादन पर भी असर हो रहा है। डॉ राय ने कहा कि मिट्टी में जैविक कार्बन बढाने के लिए प्राकृतिक खेती की ओर रुख करना पड़ेगा। गाय के गोबर, गोमूत्र और अन्य प्राकृतिक संसाधनों से तैयार जीवामृत, बीजामृत, घनामृत, नीमास्त्र अग्निअस्त्र और ब्रह्मास्त्र से जैविक कार्बन बढाने के साथ ही कीट व्याधियों से भी पौधों को बचा सकते हैं,लेकिन यह जागरूकता के बिना असंभव है। केवीके परसौनी ने पिछले दो महीने पहले ही प्राकृतिक पौधशाला का निर्माण कर अभी तक हजारों पौधों को किसानों के बीच में पहुंचा दिया है जिसे किसानों ने भी बहुत उत्साह के साथ खरीदा और अपने यहां लगाया है इसका मुख्य उद्देश्य यही था की सर्वप्रथम खुद केवीके किसानों को प्रत्यक्षण के माध्यम से प्राकृतिक पौधशाला का निर्माण करके दिखाएं उसके बाद उनको प्रेरित करें कि वह भी अपने यहां प्राकृतिक पौधशाला का निर्माण करें और प्राकृतिक पोषण वाटिका का भी निर्माण करें। ऐसी दिशा में केंद्र के विशेषज्ञ लगे हुए हैं प्राकृतिक पौधशाला के निर्माण में डॉक्टर सुनीता कुमारी ने उच्च कोटि के बीजों का चुनाव किया था साथ ही साथ उनका शोधन बीजामृत से भी किया था। विश्व मृदा दिवस आयोजन के उपलक्ष में केविके परसौनी परिसर में किसान महिलाओं के द्वारा ही सर्वप्रथम घनामृत को मिट्टी में मिलाया गया उसके बाद में प्राकृतिक पौधशाला से निकाल गए पौधों को लगाया गया इन पौधों में सब्जियों के पौधे जैसे गोभी, पत्ता गोभी, ब्रोकली, मिर्च, टमाटर, बैंगन आदि को लगाया गया साथ ही साथ कुछ फूलों के पौधों को भी जैसे गेंदा, गुलदाऊदी आदि को लगाकर किसानो को यह समझाने का प्रयास किया गया कि प्राकृतिक खेती में कम लागत में गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद संभव है।इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ अंशू गंगवार, डॉ सुनीता कुमारी ने भी अपने विचार प्रकट किए। प्राकृतिक खेती की जागरूकता में केंद्र के अजय झा, रूपेश कुमार, चुन्नू कुमार, संतोष कुमार किसानों को प्राकृतिक पौधशाला में तैयार पौधों को उपलब्ध करने में मदद कर रहे हैं और उन्हें प्रेरित भी कर रहे है।

बांग्लादेश में हिन्दूओ पर आक्रमण के विरूद्ध निकाला गया विरोध मार्च

बीएनएम। मोतिहारी

बांग्लादेश में हिन्दूओ पर हो रहे आक्रमण के विरोध में गुरुवार को विहिप सहित विभिन्न हिन्दू संगठनो ने बांग्लादेशी हिन्दू हित संघर्ष समिति के बैनर तले नरसिंह बाबा मंदिर परिसर से विशाल मौन विरोध मार्च निकाला और समाहरणालय पहुंचकर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा। विरोध मार्च मे हाथो मे तख्तियां लिये बड़ी महिलाएं भी शामिल थी।तख्तियो पर बांग्लादेश मे हिन्दुओ की सुरक्षा से संबंधित नारे लिखे थे।सभी मौन रूप से समाहरणालय पहुंचे।जहां राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन डीएम की अनुपस्थिति मे एडीएम को सौपा गया। प्रतिनिधिमंडल में सुशील पाण्डे,विहिप के अशोक श्रीवास्तव,राणा रणवीर सिंह, कृष्णकुमार,जितेन्द्र त्रिपाठी उप मेयर लालबाबू प्रसाद,प्रियंका नागवंशी मीना मिश्रा शामिल थे। जबकि विरोध मार्च का नेतृत्व बजरंगदल के हेमन्त कुमार जितेन्द्र कुशवाहा कृष्णकुमार, श्याम सुन्दर, उदयनारायण सिंह,देवेन्द्र कुमार सिंह जितेन्द्र त्रिपाठी कर रहे थे।वही विरोध मार्च के पूर्व नरसिंह बाबा मंदिर प्रांगण मे एक धर्म सभा का भी आयोजन किया गया जिसे संबोधित करते वक्ताओ ने कहा कि जिस बांग्लादेश का निर्माण से लेकर राशन पानी तक भारत सरकार मदद करता है आज वही हिन्दूओ को प्रड़ताड़ित कर रहा है। लेकिन मानवाधिकार का ढोल पीटने वाले चुप है।

इंडिया गठबंधन के आगे गंभीर प्रश्न

लोकसभा चुनाव में जो नुकसान हुआ, अब ऐसा लगता है कि अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है। इससे इंडिया गठबंधन के आगे अपनी भूमिका तय करने का गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। इंडिया गठबंधन के सामने कठिन प्रश्न हैं। महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से यह सवाल गहरा गया है कि क्या ये गठबंधन बनने के डेढ़ साल बाद भी अपना कोई साझा उद्देश्य तय कर पाया है? हर चुनाव से पहले शामिल दलों के बीच सीटों को लेकर धींगामुश्ती, मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा पेश कर पाने के मुद्दे पर मतभेद और चुनाव अभियान में समन्वय का अभाव आम कहानी बन गया है। गठबंधन बनने के बाद नवंबर- दिसंबर 2023 में जब पहले चुनाव हुए, तो दलों का मनमुटाव खुल कर जाहिर हुआ। लोकसभा चुनाव में जरूर चीजें कुछ संभलती नजर आईं, लेकिन जैसे ही बात हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड की आई, पुरानी खींचतान उभर आई। किसी साझा न्यूनतम कार्यक्रम की जरूरत तो गठबंधन ने आरंभ से ही नहीं समझी। नरेंद्र मोदी- अमित शाह से मुक्ति की चाहत के अलावा उनके बीच किसी मुद्दे और सहमति की तलाश करना कठिन बना रहा है। ऐसी नकारात्मक राजनीति कभी कारगर नहीं होती। लोकसभा चुनाव में बिजली चमकने जैसी उम्मीद जगी, तो उसके पीछे भी उनके अपने प्रयासों का कम ही योगदान था। अब ऐसा लगता है कि तब जो नुकसान हुआ, अपनी ध्रुवीकरण एवं समीकरण साधने की सियासत से भाजपा ने उसे काफी हद तक संभाल लिया है। इसका बड़ा कारण यह है कि इंडिया गठबंधन यह संदेश देने में नाकाम है कि उसके पास देश के विकास एवं आम जन की बेहतरी का कोई बेहतर एजेंडा है। इसके अभाव में गठबंधन महज सीटों के तालमेल का माध्यम बन कर रह जाता है। इस रूप में कुछ खास परिस्थितियों में यह प्रयास लाभदायक हो सकता है, लेकिन सत्ता पक्ष के लिए कोई गठबंधन कोई निर्णायक चुनौती पेश नहीं कर पाएगा। महाराष्ट्र का चुनाव नतीजा आने के बाद गठबंधन के अंदर की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस आलोचना के केंद्र में आई है, तो उसकी भी ठोस वजहें हैं। बड़ी पार्टी होने का सिर्फ लाभ नहीं होता, बल्कि जिम्मेदारियां भी होती हैं, इसे अब भी कांग्रेस नेतृत्व नहीं समझ पाया, तो पार्टी की भूमिका पर सवाल गहराते जाएंगे। वैसे अपनी-अपनी भूमिका से जुड़ा सवाल गठबंधन में शामिल सभी दलों के सामने है।

कार्बन न्यूट्रीलिटी के पक्ष में महत्त्वपूर्ण आकांक्षी कमीटमेंट

कॉप -29 पिछले दिनों समाप्त हो गया जिसकी आर्थिकी बहुत कुछ पेट्रोल के उत्पादन पर निर्भर है। इसने कॉप-29 में सारी आलोचनाओं के बीच भी तेल-गैस क्षेत्र का बचाव जारी रखा हुआ है। कॉप-28 भी ऐसे देश में ही हुआ था। दूसरी तरफ, भारत और चीन तथा अमेरिका कोयले को अपने आर्थिक विकास का इंजन बनाए हुए हैं। इसको वो निकट भविष्य में छोडऩे वाले भी नहीं हैं किंतु जलवायु संकट के बीच अधिकांश देशों की ही तरह यह यथार्थ उन्हें स्वीकारना होगा कि भविष्य में अंतरराष्ट्रीय कारोबारी बिरादरी से अलग-थलग होने से बचने के लिए देर-सबेर उन्हें कार्बन न्यूट्रल होना ही पड़ेगा। यूरोपियन संघ, जापान, कोरिया गणतंत्र सहित 110 से ज्यादा देशों ने 2050 तक कार्बन न्यूट्रीलिटी पाने की वचनबद्धता व्यक्त की हुई है। चीन 2060 तक ऐसा कर लेगा। भारत 2070 तक ही ऐसा कर पाएगा। यूरोपियन यूनियन तो उन आयातों पर भी कार्बन टैक्स लगाने का सोच रहा है, जिनके निर्माण में थ्रेशहोल्ड वैल्यू से ज्यादा उत्सर्जन होता है। ऐसे में मजबूरन ही सही विभिन्न देश अपने-अपने यहां जीवाश्म ईंधन के उपभोग, उपयोग, उत्पादन पर कड़े से कड़े नियम लागू कर रहे हैं। डिकाबरेनाइजेशन या कार्बनरहित होना इसलिए भी आवश्यक है कि वैकि तापक्रम बढ़ोतरी को 1.5 डिग्री सेलसियस पर ही बांधने की महती जरूरत के बाद भी कोयला समेत फोसिल ईंधनों के लगभग निर्बाध उपयोग की छूट सभी चाहते हैं। हालांकि आईपीसीसी का मानना है कि पृथ्वी का गरम होना कुल कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन के आनुपातिक होता है। वर्तमान में वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता बढ़ती जा रही है। अमेरिका की संस्था एनओएए के अनुसार मई, 2023 में वायुमंडल में मासिक कार्बन डाइऑक्साइड की सघनता रिकार्ड ऊंचाई पर पूर्व औद्योगिककाल की सघनता से पचास प्रतिशत ज्यादा थी। विश्व में 85 प्रतिशत ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों कोयला, पेट्रोलियम और गैस से प्राप्त की जाती है। पेट्रोलियम और गैस से जुड़े उद्योग तो हैं किंतु लोहा, इस्पात, एल्युमिनियम, सीमेंट, बिजली, हाइड्रोजन, उर्वरक, रसायन के उद्योग भी कार्बन इंटेंसिव हैं। स्टील, सीमेंट, रसायन क्षेत्र के उद्योगों से वायुमंडल में करीब बीस प्रतिशत कार्बन डाइऑक्साइड पहुंचता है। बड़ी-बड़ी उत्सर्जन कटौतियों की हर क्षेत्र में आवश्यकता है। कार्बन डाइऑक्साइड को तो वायुमंडल से हटाना ही पड़ेगा परंतु पेड़ों के जिम्मे ही कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने का काम सौंप कर हम जलवायु संकट की व्यापकता और गहनता का सामना नहीं कर सकते। वृक्ष चूंकि कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग फोटोसिंथेसिस और बायोमास बढ़ाने में करते हैं, इसलिए वे वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड हटाने में प्रभावी रहते हैं। इनसे जमीन के भीतर कार्बन भंडारण भी होता है। बहुत ज्यादा बायोमास बढ़ाना पड़ेगा। जंगलों में आग लगने जैसी घटनाएं भी होती हैं। हालांकि बड़ी-बड़ी कंपनियां, एयरलाइंस आदि भी जंगलों से कार्बन कैप्चर का ही सहारा ले रही हैं। अपनी ग्रीनहाउस गैसों के एमिशन को न्यूट्रलाइज करने यानी नेट जीरो उत्सर्जन लक्ष्य पाने के लिए इसी का सहारा ले रही हैं। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की जलवायु वार्ताओं का नेतृत्व करने के लिए घोषित कॉप-28 के मनोनीत अध्यक्ष यूएई के उद्योग एवं एडवांस टैक्नोल्ॉजी मंत्री डॉ. सुल्तान-अल-जबेर का बिना लाग लपेट यह कहना रहा कि जलवायु गणित जोडज़्ाड़ से कुछ खास नहीं होता, यदि उसमें कार्बन कैप्चर की प्रक्रियाएं शामिल नहीं हैं। वैकल्पिक ऊर्जा के सौर या पवन ऊर्जा के उपयोग भी गर्मी कम करने में कारगर नहीं हो सकते। 11 मई, 2023 को 1500 से ज्यादा वैकि पॉलिसी निर्माताओं, इंडस्ट्रियल लीडर्स, इनोवेटर्स को यूएई क्लाइमेट टेक कॉन्फ्रेंस में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था : हमें तेजी से उन तकनीकी समाधानों को ढूंढना होगा जो आर्थिकी को डिकाबरेनाइज करें। उत्सर्जनों को आईपीसीसी रिपोर्ट के अनुसार 2030 तक कम से कम 43 प्रतिशत कम करें।

आम्बेडकर, समरसता और संघ

डॉ. सौरभ मालवीय

देश में सामाजिक समता एवं सामाजिक न्याय के लिए प्रमुखता से स्वर मुखर करने वालों में डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर का नाम अग्रणी है। उन्होंने बाल्यकाल से ही अस्पृश्यता का सामना किया था। विद्यालय से लेकर नौकरी तक उन्होंने भेदभाव का दंश झेला। इससे उनकी आत्मा चीत्कार उठी। उन्होंने अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने देशभर की यात्रा की तथा दलितों के अधिकारों के लिए स्वर मुखर किया। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन अस्पृश्यता के उन्मूलन के कार्यों के लिए समर्पित कर दिया। उनका मानना था कि सेवक बनकर ही कोई बड़ा कार्य किया जा सकता है। इसलिए वह कहते थे- "एक महान आदमी एक आम आदमी से इस तरह से अलग है कि वह समाज का सेवक बनने को तैयार रहता है।" डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर ने सामाजिक समरसता का जो स्वप्न देखा था, उसे साकार करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभियान चला रहा है। वास्तव में संघ अपने स्थापना काल से ही सामाजिक समरसता के लिए कार्य कर रहा है। डॉक्टर केशव बलिराम हेडगवार ने सामाजिक समरसता, एकता, अखंडता एवं सशक्त समाज के निर्माण के उद्देश से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। उनका कहना था कि हमारा निश्चय एवं स्पष्ट ध्येय ही हमारी प्रगति का मूल कारण है। हम लोगों को हमेशा सोचना चाहिए कि जिस कार्य को करने का हमने प्रण किया है, और जो उद्देश्य हमारे सामने है, उसे प्राप्त करने के लिए हम कितना कार्य कर रहे हैं। प्रत्येक अधिकारी एवं शिक्षक को प्रत्येक के मन में यह विचार भर देना चाहिए कि मैं स्वयं ही संघ हूं। प्रत्येक व्यक्ति को अपने चरित्र पर विचार करना चाहिए। अपने चरित्र को कभी भी कमजोर व क्षीण न होने दें। आप इस भ्रम में न रहें कि लोग हमारी ओर नहीं देखते। वे हमारे कार्य तथा हमारे व्यक्तिगत आचरण की ओर आलोचनात्मक दृष्टि से देखते हैं। हमें केवल अपने कार्य में व्यक्तिगत चाल-चलन की दृष्टि से सावधानी नहीं बरतनी चाहिए, अपितु सामूहिक एवं सार्वजनिक जीवन में भी इसका ध्यान रखना चाहिए। वह कहते थे कि बिना कष्ट उठाए और बिना स्वार्थ त्याग किए, हमें कुछ भी फल मिलना असंभव है। अपने समाज में संगठन निर्माण कर उसे बलवान तथा अजेय बनाने के अतिरिक्त हमें और कुछ नहीं करना है। इतना कर देने पर सारा कार्य स्वयं ही हो जाएगा। हमें आज सताने वाली सारी राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। अनुशासन अपने संगठन की नींव है, इसी पर हमें विशाल इमारत को खड़ा करना है। किसी भी भूल से यदि नींव जरा सी भी कच्ची रह गई, तो इमारत का उस ओर का भाग ढल जाएगा। इमारत में दरार पड़ जाएगी और आखिर में वह संपूर्ण इमारत ढह जाएगी। जीवन में निस्वार्थ भावना आए बिना खरा अनुशासन निर्माण नहीं होता। सामाजिक समरसता के बारे में उनका कहना था कि संघ का लक्ष्य भारत राष्ट्र को पुनः परम वैभव तक ले जाना है। समरसता के बिना, समता स्थायी नहीं हो सकती, और दोनों के अभाव में राष्ट्रीयता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमारा कार्य अखिल हिंदू समाज के लिए होने के कारण, उसके किसी भी अंग की उपेक्षा करने से काम नहीं चलेगा। सभी हिंदू भाइयों के साथ फिर वह किसी भी उच्च या नीच श्रेणी के समझे जाते हों, हमारा व्यवहार हर एक से प्रेम का होना चाहिए। किसी भी हिंदू भाई को नीच समझकर उसे दुत्कारना पाप है। वह कहते थे कि संघ का कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए हमें लोक संग्रह के तत्वों को भली भांति समझ लेना होगा। संघ केवल स्वयंसेवकों के लिए नहीं, अपितु संघ के बाहर जो लोग हैं, उनके लिए भी है। हमारा यह कर्तव्य हो जाता है कि उन लोगों को हम राष्ट्र के उद्धार का सच्चा मार्ग बताएं। वयोवृद्ध लोगों का संघ कार्य में काफी महत्वपूर्ण स्थान है। वे संघ के महत्वपूर्ण कार्यों का दायित्व उठा सकते हैं। यदि प्रौढ़ लोग अपने प्रतिष्ठा और व्यवहार कुशलता का उपयोग संघ कार्य किए तो करें, तो युवा अधिक उत्साह से कार्य कर सकेंगे। प्रत्येक व्यक्ति को उत्साह और हिम्मत से आगे आना चाहिए, और संघ कार्यों में जुट जाना चाहिए। इस समाज को जागृत एवं संगठित करना ही राष्ट्र का जागरण एवं संगठन है। यही राष्ट्र धर्म है। ध्येय पर अविचल दृष्टि रखकर, मार्ग में मखमली बिछौने हो या कांटे बिखरे हों, उनकी चिंता न करते हुए निरंतर आगे ही बढ़ने को दृढ़ निश्चय वाले क्रियाशील तरुण खड़े करने पड़ेंगे। पूर्ण संस्कार दिए बिना, देशभक्ति का स्थाई स्वरूप निर्माण होना संभव नहीं है तथा इस प्रकार की स्थिति का निर्माण होने तक सामाजिक व्यवहार में प्रमाणिकता भी संभव नहीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर ने सामाजिक समरसता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा था कि समरसता के लिए आत्मग्लानि दूर करने के लिए आत्मबोध को जगाना पड़ेगा, स्वार्थ के स्थान पर निस्वार्थ भाव का निर्माण करना पड़ेगा। सभी भेदों को भुलाकर एकात्मकता का भाव जागृत करना पड़ेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता। महात्मा गांधी भी संघ के कार्यों से प्रभावित हुए थे। उन्होंने वर्ष 1934 में वर्धा में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शिविर देखा था, जिसमें सभी जातियों के लोग सम्मिलित हुए थे। इसमें दलित समाज के लोग भी थे। उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी ने कहा था कि आपके संगठन में अस्पृश्यता का अभाव देखकर मैं बहुत संतुष्ट हूं। इसी प्रकार डॉक्टर भीमराव आम्बेडकर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यों से प्रभावित हुए थे। उन्हें वर्ष 1939 में पुणे में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण शिविर को देखने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने अनुभव किया कि शिविर में सभी जातियों के लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इसमें दलित समाज के लोग भी सम्मिलित थे। शिविर में सबके साथ समान व्यवहार किया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि हमारे पवित्र धार्मिक ग्रंथों में समरसता का प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। भगवदगीता में भगवान् श्रीकृष्ण ने कहा है- "पंडिताः समादर्शिनः" अर्थात विद्वान सबको समान दृष्टि से देखते हैं। कहने का अभिप्राय है कि विद्वान सबको समान मानते हैं तथा वे किसी के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करते। भीमराव आम्बेडकर समानता पर सर्वाधिक बल देते थे। वह कहते थे कि अगर देश की अलग-अलग जातियां एक दूसरे से अपनी लड़ाई समाप्त नहीं करेंगी, तो देश एकजुट कभी नहीं हो सकता। यदि हम एक संयुक्त एकीकृत आधुनिक भारत चाहते , हमारे पास यह आजादी इसलिए है ताकि हम उन चीजों को सुधार सकें, जो सामाजिक व्यवस्था, असमानता, भेदभाव और अन्य चीजों से भरी है जो हमारे मौलिक अधिकारों के विरोधी हैं। एक सफल क्रांति के लिए केवल असंतोष का होना ही काफी नहीं है अपितु इसके लिए न्याय, राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों में गहरी आस्था का होना भी बहुत आवश्यक है। राजनीतिक अत्याचार सामाजिक अत्याचार की तुलना में कुछ भी नहीं है और जो सुधारक समाज की अवज्ञा करता है, वह सरकार की अवज्ञा करने वाले राजनीतिज्ञ से ज्यादा साहसी हैं। जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता हासिल नहीं कर लेते तब तक आपको कानून चाहे जो भी स्वतंत्रता देता है वह आपके किसी काम की नहीं। यदि हम एक संयुक्त एकीकृत आधुनिक भारत चाहते हैं तो सभी धर्म-शास्त्रों की संप्रभुता का अंत होना चाहिए। भीमराव आम्बेडकर ने दलित समाज के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। उनका कहना था कि आप स्वयं को अस्पृस्य न मानें, अपना घर साफ रखें। पुराने और घिनौने रीति-रिवाजों को छोड़ देना चाहिए। हमारे पास यह आजादी इसलिए है ताकि हम उन चीजों को सुधार सकें जो सामाजिक व्यवस्था, असमानता, भेद-भाव और अन्य चीजों से भरी हैं जो हमारे मौलिक अधिकारों की विरोधी हैं। राष्ट्रवाद तभी औचित्य ग्रहण कर सकता है, जब लोगों के बीच जाति, नस्ल या रंग का अंतर भुलाकर उसमें सामाजिक भ्रातृत्व को सर्वोच्च स्थान दिया जाए। वह कहते थे कि आदि से अंत तक हम सिर्फ एक भारतीय है। हम जो स्वतंत्रता मिली हैं उसके लिए क्या कर रहे हैं? यह स्वतंत्रता हमें अपनी सामाजिक व्यवस्था को सुधारने के लिए मिली हैं। जो असमानता, भेदभाव और अन्य चीजों से भरी हुई है, जो हमारे मौलिक अधिकारों के साथ संघर्ष करती है। स्वोतंत्रता का अर्थ साहस है, और साहस एक पार्टी में व्यक्तियों के संयोजन से पैदा होता है। वह यह भी कहते थे कि देश के विकास के लिए नौजवानों को आगे आना चाहिए। पानी की बूद जब सागर में मिलती है तो अपनी पहचान खो देती है। इसके विपरीत व्यक्ति समाज में रहता है पर अपनी पहचान नहीं खोता। इंसान का वन स्वतंत्र है। वह सिर्फ समाज के विकास के लिए पैदा नहीं हुआ, अपितु स्वयं के विकास के लिए भी पैदा हुआ है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि हम लोगों को समझना चाहिए कि लौकिक दृष्टि से समाज को समर्थ, सुप्रतिष्ठित, सद्धर्माघिष्ठित बनाने में तभी सफल हो सकेंगे, जब उस प्राचीन परंपरा को हम लोग युगानुकूल बना, फिर से पुनरुज्जीवित कर पाएंगे। युगानुकूल कहने का यह कारण है कि प्रत्येक युग में वह परंपरा उचित रूप धारण करके खड़ी हुई है। कभी केवल गिरि-कंदराओं में, अरण्यों में रहने वाले तपस्वी हुए तो कभी योगी निकले, कभी यज्ञ-यागादि द्वारा और कभी भगवद्-भजन करने वाले भक्तों और संतों द्वारा यह परंपरा अपने यहां चली है।

सुगम्य भारत अभियान : नौ वर्षों की प्रगति की झलक और आगे की राह

अरमान अली

इससे बेहतर संयोग नहीं हो सकता है, जैसे ही हम अति महत्वाकांक्षी सुगम्य भारत अभियान (सुगम्य भारत अभियान) के नौ साल पूरे होने का उत्सव मनाने, विश्लेषण करने और उस पर विचार करने की तैयारी कर रहे हैं, ठीक उसी दरम्यान सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया जो इसके उद्देश्य को मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 नवंबर को केंद्र सरकार को दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की धारा 40 के तहत अनिवार्य नियम बनाने का निर्देश दिया। यह निर्देश जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सार्वजनिक स्थान और सेवाएं दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सुलभ हों, भारत की समावेशिता की खोज को नया प्रोत्साहन प्रदान करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2015 में उत्साह और दूरदर्शिता के साथ सुगम्य भारत अभियान की शुरुआत की गई। अभियान का उद्देश्य देशभर में दिव्यांगजनों के लिए बाधा रहित और सुखद/अनुकूल वातावरण तैयार करना है। साथ ही परिवहन प्रणालियों और सूचना और संचार पारिस्थितिकी तंत्र में पहुंच सुनिश्चित करना है। यह अपनी तरह का पहला राष्ट्रव्यापी प्रयास था, जिसमें योजनाबद्ध तरीके से टियर 1 शहरों में 50 सबसे महत्वपूर्ण भवनों और टियर 2 शहरों में 25 प्रमुख भवनों को पूर्ण रूप से सुगम्यता के लिए लक्षित किया गया था। मुझे राज्यों के मुख्य सचिवों द्वारा बुलाई गई कई उच्च-स्तरीय बैठकों में भाग लेने की बातें याद हैं। उन बैठकों में विभागों को प्रगति की निगरानी करने और अपने-अपने क्षेत्रों में सुगम्यता उपायों को अपडेट करने का काम सौंपा गया था। इन सत्रों ने सरकार के इरादे की गंभीरता को सुदृढ़ किया और ऐसी परिवर्तनकारी पहल के लिए आवश्यक प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। चंडीगढ़ जैसे शहर जो अपनी बेहतर शहरी योजना के लिए जाने जाते हैं और भुवनेश्वर जो अपनी सुलभता पहल के लिए प्रसिद्ध हैं, इस अभियान के प्रेरक उदाहरण के रूप में उभरे कि इस अभियान द्वारा क्या हासिल किया जा सकता है। फिर भी अपने अभूतपूर्व दृष्टिकोण के बावजूद इस अभियान को विशेष रूप से राज्य स्तर पर महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सुगम्यता राज्य का विषय है, ऐसे में इसके कारण कार्यान्वयन का अधिकांश बोझ राज्यों पर पड़ता है, जिनमें से कई राज्यों को महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ा। सीमित जवाबदेही तंत्र और केंद्र व राज्य सरकारों के बीच समन्वय की कमी ने प्रगति को और बाधित किया। अभियान के महत्वाकांक्षी लक्ष्य कई क्षेत्रों में पूरे नहीं हुए जैसे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को फिर से तैयार करना और डिजिटल पहुंच को बढ़ावा देना। समय पर सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप से इस मिशन में नई तात्कालिकता आ गई। सिफारिशों को कानूनी अधिदेशों में परिवर्तित करके कोर्ट का निर्णय यह सुनिश्चित करता है कि सुगम्य भारत अभियान को गति खोने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

आगे बढऩे को लेकर व्यक्तिगत दृष्टिकोण-अभियान की यात्रा पर विचार करते हुए मेरा मानना है कि सुगम्य भारत 2.0 को स्वच्छ भारत अभियान जैसी सफल पहल के समान एक मिशन-मोड दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। इसके दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए मजबूत

हितधारक जुड़ाव, स्पष्ट जवाबदेही तंत्र और प्राप्त करने योग्य समयसीमा महत्वपूर्ण हैं। प्रोत्साहन परिवर्तन के प्रमुख संचालक होंगे। उदाहरण के लिए विश्वविद्यालय एनएएसी मान्यता के लिए सुगम्यता को एक मानदंड बना सकते हैं, जबकि उद्योग, स्थानीय सरकार और सार्वजनिक संस्थानों को सार्वभौमिक डिजाइन सिद्धांतों को अपनाने के लिए पुरस्कृत किया जा सकता है। अभियान का फोकस भौतिक बुनियादी ढांचे से लेकर उत्पादों, सेवाओं और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र तक होना चाहिए। निजी क्षेत्र में सरकारी प्रयासों को पूरा करने की अपार संभावनाएं हैं। कंपनियां अपने कार्यालयों, उत्पादों और सेवाओं में समावेशी डिजाइन सिद्धांतों को अपना सकती हैं, जबकि दिव्यांग लोगों के संगठन (डीपीओ) के साथ साझेदारी दिव्यांग लोगों की जरूरतों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि या जानकारी प्रदान कर सकती है। सुगम्यता को सामाजिक प्रतिबद्धता और व्यावसायिक रणनीति दोनों के रूप में पहचानना परिवर्तनकारी होगा।

चिंतन से कार्रवाई तक-नौ वर्षों के सुगम्य भारत अभियान ने एक मजबूत नींव रखी है, लेकिन यह स्पष्ट है कि अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय आकांक्षा से कार्रवाई की ओर बढऩे का एक स्पष्ट आह्वान है, जिससे सुगम्यता को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी गई है। सफलता के लिए हमें हर स्तर पर सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकारों को श्रेणीबद्ध तरीके से रणनीति बनानी चाहिए, नागरिक समाज संगठनों को इसे बढ़ावा देना चाहिए, निजी क्षेत्र को नवाचार करना चाहिए और सुगम्यता में निवेश करना चाहिए। साथ ही मीडिया को इन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसने पिछले कुछ वर्षों में सुगम्य भारत अभियान को विकसित होते देखा है, मैं इसकी क्षमता के प्रति काफी आशान्वित हूं। कार्यान्वयन, हितधारक गठबंधन और सतत प्रगति पर अधिक ध्यान देने के साथ सुगम्य भारत 2.0 एक समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन सकता है। एक ऐसे भारत का सपना जहां सुगम्यता केवल एक आदर्श नहीं है बल्कि सभी के लिए एक वास्तविकता है - अगर हम दृढ़ संकल्प और उद्देश्य के साथ इस क्षण का लाभ उठाते हैं।

लेखक कार्यकारी निदेशक (एनसीपीईडीपी) नई दिल्ली हैं

मेष राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। संतान के साथ रिश्ते में मजबूती आयेगी। आज आपको पैतृक सम्पति मिल सकती है। आज आपको किसी पुराने स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या से छुटकारा मिलेगा। आज आपका काम आसानी से पूरा होगा। कॉमर्स फील्ड के छात्रों को आज कुछ नया सीखने को मिलेगा... आपका ज्ञान बढेगा।

वृष राशिः आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा। आज परिवार वालों के साथ घूमने का प्लान कैंसिल होने की सम्भावना है। पारिवारिक सुख- सुविधा का लाभ मिलेगा। आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों कों गति देंगे, अपनी योजना में जोडऩे के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है।

मिथुन राशिः आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। अपने गोल को अचीव करने के लिए आप कड़ी से कड़ी मेहनत करने का संकल्प करेंगे और पूरा करने के लिए आज से ही जुट जायेंगे, आज आपके अंदर अलग ही जोश दिखेगा। आज बाहर का ज्यादा मसालेदार खाना खाने से आपको बचना चाहिए। आज आपके बड़े भाई आपसे किसी इम्पोर्टेन्ट टॉपिक पर चर्चा करेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आपको किसी से दूरसंचार से शुभ सूचना मिल सकती है, घर में ख़ुशी का माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज के दिन आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते है आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे। जो लोग घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, वो आज अपने परिवार से मिल सकते हैं।

सिंह राशिः आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आप दूसरों की हरसंभव मदद करेंगे। पारिवारिक जीवन में ताल मेल बना रहेगा। आज के दिन परिवार के साथ बाहर डिनर करने का प्लान बनायेंगे। आज आप अपनी डेली रूटीन में बुक पढऩे की हैबिट डाल सकते है। साहित्य के क्षेत्र में आपका रुझान हो सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। घर पर आपके अच्छे गुणों की चर्चा होगी। परिवार वाले आपके द्वारा किए गए कार्यों से काफी खुश नजर आएंगे। छात्र एक शहर से दूसरे शहर शिक्षा ग्रहण करने जा सकते हैं। पैतृक संपत्ति से धन लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। लम्बे समय से चल रही योजना में आज कुछ नए चेंजेस भी कर सकते हैं। समाज में आपके द्वारा किए गए कार्यों की काफी सराहना होगी। आज निकट सम्बन्धियों के आगमन से घर का माहौल खुशनुमा बन जायेगा।

तुला राशिः आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशिया लाया है। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आज किसी भी अनजान व्यक्ति से बेवजह उलझने से बचें। आज संयम रखने से रुकी योजनायें सफल होंगी। डीप्रेशन की समस्या से आपको काफी हद तक आराम मिलेगा। आज आप कोई नई भाषा सीखने के बारे में विचार करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिये बहुत ही बढिय़ा रहने वाला है। आपको सब्र रखना होगा जिससे आप नई ऊंचाईयों कों छुएंगे। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आप को नई धार्मिक जगह का सुख प्राप्त होगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी टूर पर जायेंगे। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगों को आज लाभ की प्राप्ति होगी। आज आप नया बिजनेस स्टार्ट करने का मन बनायेंगे।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। किसी अन्य व्यक्ति की दखल अंदाजी अपने जीवन में ना होने दें नहीं तो रिश्तो में समस्याएं आ सकती है। आपके ऊपर परिवार की जिम्मेदारी आएंगी, जिसे आप पूरा करेंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी व्यक्ति की मदद करेंगे, जिससे पूरा दिन आपके अंदर पाजिटीविटी बनी रहेगी। आज आप जिस भी काम की शुरुआत करेंगे... वह समय से पूरा हो जायेगा। किसी नए रिश्ते की शुरुआत करने का मौका मिलने की संभावना है।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज परिवारजन आपसी सामजस्य द्वारा घर की किसी समस्या का समाधान निकालने में सक्षम रहेंगे, परिवार में ख़ुशी का माहौल बना रहेगा। आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे, जहाँ आपको काफी शांति महसूस होगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप अपनी बहन को कुछ गिफ्ट दे सकते है आपकी माता को ख़ुशी होगी। आज आपको किसी भी व्यक्ति को उधार देने से बचना चाहिए, यह आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपका रुका हुआ काम पूरा होगा । आज आप बोलने के बजाए सुनने पर ज्यादा ध्यान देंगे, इससे आपको कोई जरूरी बात पता चल सकती हैं।

शब्द पहेली - 8333

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, वेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8332 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

विराट को फिर कप्तान बना सकती है आरसीबी : अश्विन

मुम्बई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि विराट कोहली को एक बार फिर से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) अपना कप्तान बना सकती है। आरसीबी ने 2025 सत्र के लिए नीलामी के बाद अपनी नई टीम बना ली है पर इस टीम का अगला कप्तान कौन होगा वह अभी साफ नहीं हुआ है। विराट के अलावा इस टीम में क्रुणाल पंड्या और भुवनेश्वर कुमार ही दो ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें कप्तानी का दावेदार माना जा रहा है। अश्विन का मानना है कि विराट आईपीएल सत्र सीजन के लिए कप्तानी संभाला सकते हैं। कोहली ने साल 2022 में टीम की कप्तानी छोड़ दी थी पर 2023 में फॉफ डुप्लेसिस के चोटिल होने के बाद कुछ मैचों में उन्होंने टीम की कप्तानी करनी पड़ी थी। आरसीबी की ओर से फिलहाल कप्तान को लेकर कुछ नहीं कहा जा रहा है पर अश्विन को लगता है कि ये पहले से तय है। उन्होंने कहा कि कोहली ही कप्तान की भूमिका में नजर आएंगे क्योंकि आरसीबी ने नीलामी के तहत किसी ऐसे खिलाड़ी को नहीं खरीदा जो कप्तान बन सके।<अश्विन ने ये भी कहा कि आरसीबी के लिए ये नीलामी अच्छी रही क्योंकि उन्होंने अपनी टीम को संतुलित किया और सही खिलाड़ियों का चयन किया है। अश्विन ने कहा कि आरसीबी ने आरटीएम का ज्यादा इस्तेमाल किए बना ही अपने पहले 12-14 खिलाड़ियों को समझदारी से खरीदा। उन्होंने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उनकी नीलामी बेहतरीन रही। उन्होंने संतुलन बनाए रखा और इंतजार करते हुए जरुरत के अनुसार खिलाड़ी खरीदे।

मैं किसी भी क्रम पर खेलने तैयार हूं : राहुल

एडिलेड । अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि वह अब किसी भी क्रम पर खेलने के लिए तैयार हैं। राहुल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में पारी की शुरुअत के लिए भेजा था जिसमें वह सफल रहे। उन्होंने दोनो ही बार टीम को अच्छी शुरुआत दी। राहुल ने कहा कि बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव के लिए वह मानसिक रुप से तैयार हो गये हैं। ऐसे में अब वह टीम के लिए किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी करने तैयार हैं। राहुल से कहा, ''मैं केवल टीम में रहना चाहता हूं, जिसका मतलब है कि जहां भी मौका मिले वहां टीम के लिए बल्लेबाजी करने के लिए तैयार रहूं।'' राहुल ने ऑस्ट्रेलिया में अपना टेस्ट करियर ठीक एक दशक पहले मध्यक्रम बल्लेबाज के रूप में शुरू किया था। उन्होंने बाद में हालांकि सलामी बल्लेबाज की भूमिका भी निभाई है। इस बीच टेस्ट और एकदिवसीय दोनों में उनका बल्लेबाजी क्रम लगातार बदलता रहा और इसने उन्हें मानसिक तौर पर प्रभावित भी किया पर अब वह उसके लिए तैयार हैं। इस बल्लेबाज ने कहा, ''मैंने कई स्थानों पर बल्लेबाजी की है। पहले यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। यह चुनौती तकनीकी रूप से नहीं, बल्कि मानसिक रूप से थी कि शुरुआती 20-25 गेंदों को कैसे सामना करना है।'' इसके अलावा कितनी जल्दी आक्रामक रूख अपना सकता हूं या मुझे कितना सतर्क रहने की जरूरत है। ये ऐसी चीजें थी जो शुरू में ही मुझे परेशान करती थी। राहुल ने टेस्ट में आठ शतक जड़े हैं। जिसमें से दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में दो-दो शतक के अलावा उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में भी एक शतकीय पारी है। इस बल्लेबाज ने कहा, '' अब मुझे टेस्ट और वनडे में बल्लेबाजी क्रम में लगभग सभी जगहों पर खेलने का अनुभव है। इससे मुझे अंदाजा हो गया है कि मैं अपनी पारी को कैसे आगे बढ़ा सकता हूं।'' उन्होंने कहा कि टेस्ट मैचों को लेकर उनके दिमाग में कुछ बातें एकदम साफ है। जैसे कि मैं चाहे शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी कर रहा हूं या मध्य क्रम में अगर मैं शुरुआत में 30-40 गेंदें खेलने में सफल रहा तो सब कुछ सामान्य बल्लेबाजी जैसा लगता है। मैं इसी पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं। राहुल ने बताया कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में सलामी बल्लेबाजी की भूमिका निभाने की संभावना के बारे में पहले ही बता दिया गया था। उन्होंने पांच मैचों की इस टेस्ट श्रृंखला से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की श्रृंखला का दूसरा मैच खेला था।

सुपर जायंट्स ने अभी तक कप्तान पर फैसला नहीं किया : गोयनका

हमारे पास एक नहीं चार-चार योग्य उम्मीदवार : गोयनका

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने कहा है कि आईपीएल 2025 मेगा नीलामी से उन्हें काफी अच्छी टीम मिली है। इससे टीम में एक नहीं कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बेहतर कप्तान बन सकते है हालांकि अभी तक हमने कप्तानी किसको दी जाये तय नहीं किया है। उनकी टीम ने नीलामी में विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को सबसे अधिक कीमत दे कर खरीदा है। इसके अलावा उनकी टीम के पास, निकोलस पूरन, एडेन मार्करम और टीम ने ऋषभ पंत, एडेन मार्करम और मिचेल मार्श को नीलामी में खरीदा जबकि पूरन को उसने पहले से ही टीम में बनाये रखा था। निकोलस पूरन पर टीम ने 21 करोड़ रुपये रिटेंशन के तौर पर खर्च किए, जबकि ऋषभ पंत को 27 करोड़ रुपये में फ्रेंचाइजी ने खरीदा। वहीं मिचेल मार्श के लिए 3.40 करोड़ रुपये लखनऊ सुपर जायंट्स ने खर्च किए और दो करोड़ में टीम ने एडेन मार्करम को खरीदा। ये चारों खिलाड़ी ऐसे हैं, जो कप्तानी के योग्य हैं। अभी तक फ्रेंचाइजी ने ये तय नहीं किया है कि किसे आईपीएल कप्तानी सौंपी जाए। गोयनका ने कहा , नीलामी में हमारा ध्यान इस बात पर था कि हमारा मध्यक्रम और फिनिशिंग बेहद मजबूत होनी चाहिए। हमारा नंबर 3 से नंबर 8 तक का क्रम बहुत मजबूत है। हमारी दूसरी इच्छा बेहतरीन आक्रमण के साथ जाने की थी। अब हमारे पास दोनों का संयोजन है। उन्होंने आगे कहा कि, हमारी टीम में चार कप्तानी के योग्य दावेदार है। इसलिए ये बुद्धि और विचार और रणनीति का एक बहुत मजबूत नेतृत्व पूल बन जाता है। वे सभी ऐसे लोग हैं जो जीतने की मानसिकता के साथ खेल सकते हैं। ऋषभ में जीतने की भूख और जुनून है। इसलिए एक अच्छी टीम बनाई गई है। हम खुश हैं, कुल मिलाकर संतुलन भी ठीक है और कोई भी टीम 10 में से 10 नहीं है।

पृथ्वी को मिला पीटरसन और वॉटसन का साथ

लंदन। खराब दौर से गुजर रहे बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को अब दो दिग्गज क्रिकेटरों का समर्थन मिला है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने पृथ्वी का बचाव करते हुए उसे एक असाधारण प्रतिभा बताया है। पृथ्वी पिछले काफी समय ये भारतीय टीम से बाहर हैं। इस दौरान उनका प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट में भी खराब रहा जिस कारण उन्हें आईपीएल नीलामी में भी कोई खरीददार नहीं मिला। इसके बाद से ही पृथ्वी को आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था पर और अब उन्हें पीटरसन और औस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन से समर्थन मिला है। इस युवा को आईपीएल में कोई खरीददार नहीं मिलने का कारण फिटनेस और अनुशासनहीनता को माना जा रहा है पीटरसन ने पृथ्वी से कहा है कि उन्हें अपनी ऊर्जा फिट होने में लगानी चाहिए और अगर उन्हें एक बार फिर सफल होना है तो सोशल मीडिया से दूर रहना होगा। पृथ्वी ने किशोरावस्था में पदार्पण करते हुए टेस्ट शतक बनाया था पर अब 25 साल की उम्र में वह असफल खिलाड़ी नजर आ रहे हैं जिसे कोई नहीं लेना चाहता है। आईपीएल में उनकी अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स ने भी उन्हें 75 लाख रुपए के आधार मूल्य पर भी खरीदने बोली नहीं लगायी<इसका कारण पूर्व क्रिकेटरों के अनुसार मैदान के बाहर की उनकी नकारात्मक छवि है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में आक्रामकता की कमी : वॉन

सिडनी । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि पहले टेस्ट में हार का कारण ऑस्ट्रेलियाई टीम में आक्रामकता की कमी होना रहा। वॉन ने कहा कि भारतीय टीम के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के इस मैच में उन्हें कभी भी ऑस्ट्रेलियाई टीम में आक्रामकता नहीं दिखी थी। उनकी बल्लेबाजी में पहले वाली चमक नहीं थी। अब ऑस्ट्रेलियाई टीम एडिलेड ओवल में 6 दिसंबर को होने वाले दिन-रात के दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी क्रम पूरी तरह से असफल रहा। स्टीव स्मिथ और मार्नस लाबुशेन जैसे बल्लेबाज भी रन नहीं बना पाये केवल ट्रेविस हेड ही कुछ हद तक भारतीय गेंदबाजों का सामना कर पाये। वहीं दूसरी ओर भारतीय टीम की ओर से यशस्वी जायसवाल और विराट कोहली ने शतकीय पारियों खेली। जिसके कारण मेजबान टीम को विशाल लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मानसिक और शारीरिक रूप से थक गये। वॉन ने कहा कि भातरीय टीम एक बार आत्मविश्वास महसूस करने के बाद बेहद खतरनाक हो जाती है और यह पर्थ में दिखाई दिया क्योंकि उनकी बॉडी लैंग्वेज और खेलने का तरीका आक्रामक था। वॉन ने कहा, भारतीय टीम एक बहुत ही खतरनाक टीम है, खासकर जब उन्हें आत्मविश्वास मिलना शुरू होता है और मुझे लगता है कि हमने पर्थ में यह देखा था। उनके पास वह ऊर्जा और वह आक्रामक स्वभाव है, और यही एक चीज है जिसने मुझे पर्थ में हैरान कर दिया। मुझे पता है कि भारत शीर्ष पर था, लेकिन भारत एक अधिक आक्रामक टीम की तरह लग रहा था। वहीं ऑस्ट्रेलिया एक ऐसी टीम की तरह लग रहा था जो बस खेल रही थी। उन्होंने कहा, मैंने कोई आक्रामकता नहीं देखी। यशस्वी के खिलाफ बाउंसर थ्योरी नहीं देखी। मैंने मैदान पर किसी तरह का टकराव नहीं देखा। वॉन ने कहा कि शायद ऑस्ट्रेलियाई टीम को रिटायर्ड बल्लेबाज डेविड वार्नर की कमी खली जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी और मैदान पर टकराव, स्लेजिंग और मजाक के माध्यम से बहुत ऊर्जा और आक्रामकता दिखाई। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजी उनकी गेंदबाजी की तुलना में उन्हें अधिक निराश कर रही है क्योंकि पैट कमिंस की अगुआई वाली मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन की चौकड़ी अभी भी शीर्ष टीमों को आउट कर सकती है।

व्यापार

हल्की बढ़त के साथ खुले शेयर बाजार

सेंसेक्स 150 अंक उछला, निफ्टी 24,500 पर

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 ने गुरुवार को हल्की बढ़त के साथ कारोबार की शुरुआत की। यह बढ़त अमेरिकी बाजारों में मजबूती को देखते हुए आई है। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 129.52 अंक बढ़कर 81,085.85 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 29.70 अंक ऊपर चढ़कर 24,497 पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयर शुरुआती कारोबार में तेजी देखने को मिली। इनमें सबसे ज्यादा बढ़त इंफोसिस ने दर्ज की इसके बाद अल्ट्रा टेक सीमेंट, टीसीएस, टेक महिंद्रा और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त में रहे। वहीं नुकसान में एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टीज, एचडीएफसी बैंक, मारुति सुजुकी इंडिया और पावर ग्रिड कारपोरेशन शामिल हुए। निफ्टी 50 के 30 शेयर भी बढ़त पर खुले। इनमें सबसे ज्यादा तेजी अपोलो हास्पिटल इंटरप्राइजेस में देखी गई। वहीं वैश्विक बाजारों से मिले मजबूत संकेतों के बीच, बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में हलचल भरा कारोबार देखने को मिला, लेकिन बाजार मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक और आईसीआई बैंक जैसे बड़े शेयरों में खरीदारी से बाजार को सहारा मिला। यह लगातार चौथा दिन है जब बाजार हरे निशान में बंद हुआ है। बीएसई सेंसेक्स करीब 200 कों की तेजी के साथ 81,036.22 पर खुला। कारोबार के दौरान यह 81,245.39 तक पहुंचा। अंत में सेंसेक्स 110.58 अंक की बढ़त के साथ 80,956.33 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी 10.30 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 24,467.45 पर बंद हुआ। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयर बाजारों में गुरुवार को स्थिर बढ़त देखी गई। जापान का निक्केई 0.5 प्रतिशत बढ़ा, स्ट्रेट्स टाइम्स 0.7 प्रतिशत चढ़ा और ताइवान ने 0.3 प्रतिशत की बढ़त हासिल की। वहीं एसएंडपी/एएसएक्स 200 और ऑल ऑर्डिनरीज इंडेक्स भी करीब 0.3 प्रतिशत की बढ़त पर रहे। अमेरिका में बुधवार रात प्रमुख इंडेक्स नए रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुए। टेक्नोलॉजी शेयरों में तेजी देखने को मिली क्योंकि कंपनियों ने मजबूत कमाई के नतीजे पेश किए। इसके अलावा फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने अर्थव्यवस्था की सेहत को लेकर सकारात्मक बयान दिए। अब बाजार की नजर शुक्रवार को आने वाले नवंबर के रोजगार आंकड़ों पर है।

सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट

सोने के भाव 76,950 रुपए, चांदी लगभग 92,900 रुपए

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा भाव में गुरुवार को कमजोरी के साथ कारोबार देखा जा रहा है। गुरुवार को दोनों के वायदा भाव ने गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 76,950 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की वायदा कीमतों में भी सुस्ती देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरबरी कॉन्ट्रेक्ट 114 रुपये की गिरावट के साथ 76,978 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 107 रुपये की गिरावट के साथ 76,985 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 306 रुपये की गिरावट के साथ 92,987 रुपये पर खुला। इस समय यह 373 रुपये की नरमी के साथ 92,920 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में गिरावट देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 2,674.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,676.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 4.80 डॉलर की गिरावट के साथ 2,671.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.82 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 31.91 डॉलर था। इस समय यह 0.16 डॉलर की गिरावट के साथ 31.75 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

हुंडई अगले साल एक जनवरी से अपने वाहनों की कीमतें 25 हजार रुपये तक बढ़ाएगी

नई दिल्ली। बीएमडब्ल्यू और मर्सिडीज-बेंज के बाद दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने अगले साल एक जनवरी से अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में 25 हजार रुपये तक की वृद्धि करने का ऐलान किया है। कंपनी ने बताया कि कच्चे माल की लागत में वृद्धि, प्रतिकूल विनिमय दर और लॉजिस्टिक्स लागत में बढ़ोतरी के कारण वाहनों की कीमतों में इजाफा करना आवश्यक हो गया है। हुंडई मोटर इंडिया कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि कच्चे माल की लागत में निरंतर वृद्धि का कुछ हिस्सा मामूली मूल्य समायोजन के जरिए वहन करना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि ये मूल्य वृद्धि सभी मॉडलों पर लागू होगी। इसकी सीमा 25 हजार रुपये तक होगी। गर्ग ने कहा कि कंपनी ने हमेशा बढ़ती लागत को यथासंभव वहन करने का प्रयास किया है, ताकि हमारे ग्राहकों पर इसका सबसे कम प्रभाव पड़े। फिलहाल एचएमआईएल की विभिन्न वाहन श्रृंखला की कीमतें 5.92 से लेकर 46.05 लाख रुपये के बीच है। बीएमडब्ल्यू इंडिया और मर्सिडीज-बेंज इंडिया भी अगले वर्ष जनवरी से अपने सभी वाहनों की कीमत में तीन फीसदी तक की बढ़ोतरी की घोषणा पहले ही कर चुकी है। कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) दक्षिण कोरियाई ऑटोमोबाइल निर्माता हुंडई मोटर कंपनी की भारतीय सहायक कंपनी है। यह भारत में दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी है।

देश के सबसे बड़े बैंक में निष्क्रिय खातों पर नजर

लोग सरकारी पैसे लेने के लिए खाता खोलते है, पैसे निकालकर खाता भूल जाते हैं'

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने एक बड़ा बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि कई खाताधारक जिन्होंने सरकारी कार्यक्रमों के तहत वित्तीय मदद हासिल करने के लिए खाते खोले हैं, वे एक सीमित संख्या में लेनदेन ही करते हैं। इसके बाद उनके खाते निष्क्रिय हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे खातों के लिए बैंक नए नियमों के लागू होने की स्थिति में है। इसके अलावा एसबीआई ने सप्ताहांत में निष्क्रिय खातों के खिलाफ एक विशेष अभियान भी घोषित किया है। लेकिन निष्क्रिय खातों की सटीक संख्या के बारे में जानकारी नहीं है। चेयरमैन ने आरबीआई को इस मुद्दे पर कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रस्तावित किए गए नियमों पर सहमति जताई है। इससे पहले एसबीआई ने भारतीय रिजर्व बैंक से गैर-वित्तीय लेनदेन को सक्रिय करने के लिए नियमों में बदलाव करने की मांग की थी। इसके अलावा खाते की चालू राशि की जांच जैसे गैर-वित्तीय लेनदेन पर भी ध्यान देने की मांग की गई थी।

ट्रक भाड़े में नवंबर में माह में गिरावट आई

अक्टूबर महीने में ज्यादातर मार्गों पर ट्रक भाड़े सामान्य स्तर पर थे

नई दिल्ली। ट्रक भाड़े में नवंबर महीने की गिरावट ने वाहन क्षेत्र को एक चुनौती के रूप में सामना करना पड़ा है। एक रिपोर्ट्स के अनुसार त्योहारी मौसम की बढ़ी हुई मांग ने ट्रक भाड़े को देखते हुए व्यापारियों को परेशान कर दिया है। अक्टूबर महीने में ज्यादातर मार्गों पर ट्रक भाड़े सामान्य स्तर पर थे, लेकिन नवंबर महीने में मासिक आधार पर फ्लीट ऑक्यूपेंसी गिरकर 60 फीसदी रह गई है। इस गिरावट के पीछे कई कारण हैं। एक मुख्य कारण है खराब शहरी मांग, जो वायु प्रदूषण के कारण एनसीआर क्षेत्र में बीएस 4 ट्रकों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाने के कारण हो सकता है। इसके अलावा महाराष्ट्र में चुनाव संबंधित गतिविधियों की मौजूदगी और कृषि उत्पादों की आवाजाही भी ट्रकों की मांग पर नकारात्मक प्रभाव डाला है। इस समस्या को बढ़ती हुई हिस्सेदारी बीएस 4 ट्रकों की मुख्य उपस्थिति उठा सकती है। एनसीआर क्षेत्र में हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध के कारण बीएस 4 ट्रक अब सामान दलदली लाते हैं और इसे छोटे आकार के बीएस 6 ट्रक या सीएनजी चालित ट्रक के माध्यम से अंदर के क्षेत्र में भेज दिया जाता है। इसके परिणामस्वरूप सामान को लेने-ले जाने की मासिक लागत में वृद्धि हो रही है। व्यापारियों द्वारा इस स्थिति पर कदम उठाने के लिए तैयार होना होगा, ताकि इस समस्या का सामना किया जा सके और ट्रक भाड़े में सुधार किया जा सके।

वनवास का ट्रेलर रिलीज, दिल छू लेने वाली कहानी लेकर आए नाना पाटेकर और उत्कर्ष शर्मा

निर्देशक अनिल शर्मा पिछले काफी समय से फिल्म वनवास को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में उनके बेटे उत्कर्ष शर्मा ने मुख्य भूमिका निभाई है, जो उनकी फिल्म गदर और गदर 2 में थे।फिल्म में नाना पाटेकर भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के पोस्टर से लेकर टीजर और गाने तक दर्शकों को बेहद पसंद आए हैं।अब इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रही है। ट्रेलर की शुरुआत में उत्कर्ष कहते हैं, माता-पिता का कर्म होता है बच्चों को पालना और बच्चों का धर्म होता है मां-बाप को संभालना।फिल्म की कहानी उन लोगों पर है, जो पालकर अपने बच्चों को बड़ा करते हैं, लेकिन जब बच्चे बड़े हो जाते हैं तो मां-बाप को छोड़ देते हैं। नाना ऐसे ही शख्स के किरदार में हैं, जिन्हें उनके बच्चों ने उन्हें रास्ते पर छोड़ दिया है।ट्रेलर में भावुक कर देने वाले पल हैं। एक यूजर ने लिखा, मारधाड़ वाली फिल्मों के बीच एक महत्वपूर्ण विषय वाली फिल्म का ट्रेलर देख मजा आ गया। वाह!एक लिखते हैं, मैं फिल्म का पहले दिन का पहला शो देखूंगा। ऐसी फिल्मों को समर्थन मिलना चाहिए।एक ने लिखा, क्या गजब ट्रेलर है। ऐसा सिनेमा तो अब खो ही गया है।एक लिखते हैं, पिछले कुछ सालों से ऐसी ही फिल्म की तलाश थी, वहीं कुछ को सिमरत कौर और उत्कर्ष की केमिस्ट्री भी पसंद आई है। निर्देशक अनिल शर्मा कहते हैं, यह फिल्म मेरे बेहद करीब है, क्योंकि ये प्यार, बलिदान और परिवार के असली मतलब को समझाती है। नाना, उत्कर्ष, सिमरत, राजपाल यादव और बाकी कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों से फिल्म में गहरी और असली भावनाएं डाली है। मैं दर्शकों को उनका सफर पर्दे पर दिखाने के लिए काफी उत्साहित हूं।उधर नाना के मुताबिक, वनवास सिर्फ एक कहानी नहीं है, ये उन भावनाओं का आईना है, जिन्हें हम अक्सर अपने अंदर दबाकर रखते हैं। ज़ी स्टूडियोज के बैनर तले बनी यह फिल्म 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। पिछली बार अनिल फिल्म गदर 2 लाए थे, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कई नए रिकॉर्ड बनाए और धराशायी किए।फिल्म में उत्कर्ष और सिमरत दिखे थे। वनवास में यह जोड़ी दोबारा दर्शकों का दिल जीतने आ रही है।इस फिल्म में परिवार के सच्चे अर्थ को दिखाया गया है और बताया गया है कि रिश्ते खून से नहीं, बल्कि प्यार और स्वीकार्यता से बनते हैं।

यू आर द लास्ट वन...

नताशा स्तांकोविक ने कही अपने दिल की बात, लोगों ने लगाई अटकलें

एक्ट्रेस और मॉडल नताशा स्तांकोविक और भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने शादी के चार साल बाद इस साल जुलाई में अपने तलाक की घोषणा की थी. एक्ट्रेस अपने दोस्त अलेक्जेंडर एलेक्स को लेकर काफी ज्यादा सुर्खियों में है. एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी ज्यादा एक्टिव रहती है और अपनी लाइफ के अपडेट फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर की है. उनकी इस पोस्ट के बाद फैंस ने तरह-तरह की अटकलें लगाना शुरु कर दिया है. इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा कि यू आर द लास्ट वन, सो बी द बेस्ट वन. इसके साथ ही उन्होंने व्हाइट दिल इमोजी भी शेयर किया है. एक्ट्रेस ने हाल ही में हार्दिक से

अपने अलग होने का ऐलान कर दिया था. सोशल मीडिया पर जैसे ही दोनों के अलग होने का पोस्ट सामने आया, तो इंटरनेट पर हलचल बढ़ गई और किसी को भी भरोसा नहीं हुआ कि दोनों अलग हो रहे हैं. हार्दिक से अलग होने के बाद नताशा को अक्सर उनके बेस्ट फ्रेंड अलेक्जेंडर एलेक्स के साथ देखा जाता है. वहीं एक्ट्रेस ने एक बार सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी भी शेयर की थी कि एक्ट्रेस और एलेक्स दोनों काफी अच्छे दोस्त हैं, लेकिन यूजर्स ये मानने के लिए तैयार ही नहीं है और यूजर्स अलग- अलग कयास लगा रहे हैं. दरअसल, एक्ट्रेस ने ये पोस्ट दिसंबर के लिए डाला था. जिसमें उन्होंने लिखा था कि हे दिसंबरज् यू आर द लास्ट वन, सो बी द बेस्ट वन. इसी के साथ उन्होंने एक व्हाइट दिल वाला इमोजी भी लगाया था. वहीं अब लोग इस पोस्ट के बाद अलग-अलग अटकलें लगा रहे हैं. लोगों को लग रहा है कि एक्ट्रेस का इशारा कई और ही है. इन दिनों नताशा अकेली हैं, तो जाहिर है कि उनका एक हल्का-सा इशारा लोगों में चर्चा का विषय बन सकता है.

350 करोड़ रुपये का 20 प्रतिशत वसूलने में कामयाब रही कंगुवा

सूर्या की नई एपिक फैंटेसी एक्शन ड्रामा कंगुवा को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 18 दिन हो चुके हैं. इन 18 दिनों में फिल्म ने ओपनिंग डे के बाद से अच्छी कमाई नहीं कर पाई है. दर्शकों की औसत समीक्षाओं के साथ-साथ, सूर्या स्टारर कंगुवा बॉक्स ऑफिस पर कम कमाई कर रही है. फिल्म के परफॉर्मेंस से ऐसा लग रहा है कि यह जल्द ही सिनेमाघरों से उतर जाएगी. शिवा की निर्देशित फिल्म कंगुवा 350 करोड़ रुपये के भारी बजट में बनाई गई है. मेकर्स को फिल्म से काफी उम्मीद थी. लेकिन फिल्म की कमजोर स्क्रिप्ट और एक्टिंग में कमी होने के कारण यह दर्शकों तक अपनी पहुंच नहीं बना पाई. सैकनिल्क वेबसाइट के अनुसार, कंगुवा ने ओपनिंग डे पर 24 करोड़ रुपये की कमाई की. हालांकि पहले वीकेंड में फिल्म 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने में सफल रही. एक हफ्ते में कंगुवा ने 64.3 करोड़ रुपये कमाए, जबकि दूसरे वीकेंड में इसने 3.2 करोड़ रुपये कमाए हैं.

मलाइका अरोड़ा ने बिखेरा हुस्न का जलवा, खुली जुल्फों में देखें स्टाइलिश फोटोज

मलाइका अरोड़ा अपने बोल्ड फिगर और स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस के चलते सोशल मीडिया पर फैंस के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका स्टनिंग लुक इंटरनेट पर पोस्ट होते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने बेहद ही स्टाइलिश फोटोशूट करवाया है। इस दौरान उन्होंने रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी हॉट और बोल्ड नजर आ रही हैं। बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा 50 साल की हो चुकी हैं, लेकिन आज भी अपनी खूबसूरती से यंग गर्ल्स को इंस्पायर करती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही ट्रेंड करने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट स्टाइलिश फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने ब्लैक कलर स्लिट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। बालों को कर्ली स्टाइल में लुक कर के और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मलाइक अरोड़ा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है। मलाइका अरोड़ा भले ही इन दिनों किसी फिल्म में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

शरवरी वाघ ने स्टाइलिश आउटफिट में कराया हॉट फोटोशूट, एक्ट्रेस की बोल्डनेस ने इंटरनेट का बढ़ाया तापमान

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ हमेशा अपने स्टनिंग और हॉट लुक्स से सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका कातिलाना लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से बवाल मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन फोटोज में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।<मुंजिया फेम शरवरी वाघ पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनका कातिलाना अवतार इंटरनेट पर आते ही छा गया है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस

बेहद ही स्टनिंग और हॉट लुक में फोटोशूट करवाती हुई नजर आ रही हैं। बता दें कि शरवरी वाघ जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। शरवरी वाघ ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्राउन कलर की कोट लुक मं ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं। खुले बाल, कानों में इयररिंग्स और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। साथ ही कैमरे के सामने स्टनिंग पोज देती हुई एक्ट्रेस हॉट फोटोज क्लिक करवा रही हैं। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न लुक एक्ट्रेस शरवरी वाघ अपने हर एक लुक में बेहद ही शानदार नजर आती हैं। उनका लुक इंटरनेट पर आते ही अक्सर बवाल मचाने लगता है। बताते चलें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं।

Central government will make Lakshadweep a big tourist destination, preparations to start 8 new projects

New Delhi: The central government wants to make Lakshadweep a great tourist destination like Maldives. For this, the government is preparing to start 8 new projects soon. Work on the first project worth Rs 303 crore will start soon. Tenders have also been issued for this. Let us tell you that since the visit of Prime Minister Narendra Modi, Lakshadweep is being developed as an alternative to Maldives. According to the report, the projects that have been approved include developing large ship berths at Kavaratti, Agathi and Minicoy islands, developing modern facilities for tourists at Kalpeni, Kadamath and Androth islands, and construction of jetties for operating cruise ships at Kalpeni and Kadamath islands. Under the first project, tenders have been invited on December 4 for construction of a jetty at Kadamath island. The first project is to develop jetties and other necessary passenger facilities on the eastern and western banks of Kadamath island, which is about 407 km from Kochi. A passenger waiting hall equipped with all modern facilities will also be built keeping in mind world-class standards. Apart from this, a 360-meter long jetty will be built, from where passenger ships as well as cruise ships can be operated. Let us tell you that Kadamath is a 9.3 kilometer long and 0.57 kilometer wide island. The government plans to develop a multimodal jetty in Lakshadweep, from where passenger ships can operate throughout the year. This will increase connectivity to the island and make it easier for tourists to reach. Apart from this, the government wants to develop port and shipping infrastructure in all the islands of Lakshadweep, so that there can be seamless shipping services and passenger and cargo handling. These projects will be completed mainly under the Sagarmala project. In January, Prime Minister Modi visited Lakshadweep. He also shared some pictures of the visit, on which

Maldives ministers made controversial comments. After India's objection, these ministers were sacked. Lakshadweep is a group of 36 small islands. Located about 440 km from Kochi in Kerala, this place is also very important from a strategic point of view. The total population here is about 64,000. Out of this, 95 percent are Muslims. To preserve the culture of the tribals, it is necessary for common Indians to take a permit to go here. However, Indian Army personnel, their family members and government officials are exempted from the permit.

Devendra Fadnavis convinced Eknath Shinde in 20 minutes, the inside story is out

Mumbai: The swearing-in ceremony is going to be held today, 12 days after the results of the Maharashtra assembly elections. BJP's Devendra Fadnavis is going to become the Chief Minister and Shiv Sena's Eknath Shinde will take oath as Deputy Chief Minister. In the last 12 days, there were several reports that Shinde did not want to become Deputy Chief Minister and was also reportedly angry. Fadnavis persuaded Shinde to take the post. After staking claim to form the government on 4 December, Fadnavis reached Shinde's residence and requested him to join the cabinet. It is said that till this time Shinde was adamant on the demand for the Home Ministry. According to the report, during the 20-minute meeting, Shinde put forward his demands. During this, Fadnavis assured him that the demands will be taken care of in the division of departments. Sources said Shinde wanted a senior party leader to replace him as deputy chief minister.

However, after persistent demands from party workers, he agreed to the deputy chief minister's post. Shiv Sena MLA Bharat Gogavale said, "We urged him to be a part of the government as it will help both the party and the administration." Uday Samant said, "Around 60-61 MLAs supported Shinde for the post." According to the report, in August itself, the BJP had decided that its party would become the Chief Minister in the Mahayuti government. Shinde and Ajit Pawar also knew about this beforehand. When Shinde became the Chief Minister in June 2022, Fadnavis accepted the post of Deputy Chief Minister at the behest of Prime Minister Narendra Modi. As soon as the election results came on November 23, Prime Minister Narendra Modi called Fadnavis and congratulated him on becoming the next Chief Minister. Shinde believed that accepting the post of Deputy Chief Minister would strengthen Shiv Sena's presence in the government and ensure the protection of the party's interests. But becoming Deputy Chief Minister after Chief Minister was a kind of career downgrade. However, if he had refused the post, Shiv Sena's influence within the Mahayuti alliance could have diminished. Becoming Deputy Chief Minister would also maintain Shiv Sena's importance within the Mahayuti.

Before taking oath, Devendra Fadnavis reached Siddhivinayak temple and took blessings

Mumbai: Senior Bharatiya Janata Party (BJP) leader Devendra Fadnavis will take oath as the Chief Minister of Maharashtra for the third time on Thursday. Before taking oath, Devendra Fadnavis visited the famous Siddhivinayak temple in Mumbai and prayed and sought the blessings of Lord Ganesha. The swearing-in ceremony will take place at 5:30 pm at the historic Azad Maidan in Mumbai. Devendra Fadnavis will take oath as the Chief Minister of Maharashtra. Along with him, Eknath Shinde and Ajit Pawar will take oath as Deputy Chief Ministers. The coalition government in Maharashtra is being formed with the support of BJP, Shinde faction and NCP. Fadnavis, Shinde and Pawar met Governor CP Radhakrishnan on December 4 and staked claim to form the Mahayuti government. After meeting the governor, Fadnavis had said, the swearing-in ceremony of the new government will take place tomorrow at 5:30 pm in the presence of Prime Minister Narendra Modi.

I met Eknath Shinde and requested him to join this government, as it is the wish of Mahayuti workers, we will fulfill the promises made to the people of Maharashtra. This will be Fadnavis' third term in the top post after he was unanimously elected as the leader of the Maharashtra BJP Legislative Party on Wednesday. The decision comes days after Eknath Shinde reportedly wanted to become the chief minister of Maharashtra. However, after the BJP refused to back down, Shinde came out in front of the media and said that he would support PM Modi's choice. Let us tell you that the BJP-led Mahayuti alliance registered a spectacular victory in the Maharashtra Assembly elections, winning a landslide victory with 235 out of 288 seats. This result proved to be an important milestone for the BJP, which emerged as the largest party with 132 seats.

Cabinet expansion of Hemant government: 11 ministers took oath, six new faces

Ranchi: The cabinet expansion of Jharkhand's Hemant Soren government took place on Thursday in which 11 ministers took oath. Governor Santosh Gangwar administered the oath of office and secrecy to all the newly appointed ministers at a ceremony held at the Raj Bhavan. These ministers include Deepak Birua, Ramdas Soren, Hafizul Hasan, Sudibya Kumar Sonu, Yogendra Mahato and Chamra Linda from Jharkhand Mukti Morcha. Deepika Pandey Singh, Irfan Ansari, Radhakrishna Kishore and Shilpi Neha Tirkey have been made ministers from Congress while Sanjay Prasad Yadav from Rashtriya Janata Dal has been given a place in the cabinet. Before these ministers, the Governor administered the oath to senior JMM MLA Stephen Marandi as the Protem Speaker of the Assembly. Many important people including CM Hemant Soren, Congress National General Secretary and Jharkhand in-charge Ghulam Ahmed Mir, Rashtriya Janata Dal National General Secretary Jaiprakash Narayan Yadav were

present in the swearing-in ceremony held at Ashok Udyan of Raj Bhavan. There are six new and five old faces in the newly formed cabinet. The new ministers include Radhakrishna Kishore, Sudivya Sonu, Chamra Linda, Yogendra Prasad, Shilpi Neha Tirkey and Sanjay Yadav. This time eight women have won the elections and reached the assembly in the ruling coalition. Two of them have got a place in the cabinet. All the five divisions of the state have been given representation in the cabinet. Maximum four ministers have been made from Santhal Pargana. Two MLAs each from Kolhan, South Chotanagpur and North Chotanagpur divisions and one MLA from Palamu division have got place in the cabinet. The government has tried to balance the socio-political equations by giving representation to different communities in the cabinet. Four MLAs from Scheduled Tribe, one from Scheduled Caste, three from OBC, two from minority community and one MLA from upper caste community have been given representation. Hemant Soren was sworn in as Chief Minister on November 28. The four-party alliance led by Soren won 56 seats in the 81-member Jharkhand Assembly. Jharkhand Mukti Morcha got 34 seats, Congress 16, RJD four and CPI (ML) two seats. CPI(ML) had decided to stay out of the cabinet. Seven ministers of Hemant Soren's previous government will not be seen in the cabinet this time. Rameshwar Oraon, the oldest minister in the previous government, did not get a place this time. Four former ministers Baby Devi, Hafizul Hasan, Mithilesh Thakur and Vaidyanath Ram lost the election. Satyanand Bhokta could not contest the election this time, while Champai Soren had already said goodbye to the ruling coalition and joined the BJP. Chief Minister Hemant Soren can distribute the departments of the ministers by this evening.

Disclosure about Baba Siddiqui's murder, the killers had planned to kill Salman Khan

Mumbai: Two months after the murder of Nationalist Congress Party (NCP) leader Baba Siddiqui (66) in Mumbai, Maharashtra, another revelation has come to light. According to the report, the shooters told police that before killing Siddiqui, they had planned to kill actor Salman Khan. They revealed during interrogation that Salman was on their hit list but due to tight security, they could not reach him and planned to kill Siddiqui. Siddiqui, a former MLA and one of Salman's friends, was shot dead in front of his son Zeeshan's office on October 12. The three killers came on a bike, including Shiv Kumar, Gurnail Singh of Haryana and Dharmaraj Kashyap of Uttar Pradesh. All three are in police custody. Police have arrested 20 people so far in the case. The Lawrence Bishnoi gang has claimed responsibility for the murder. Salman is reportedly getting a lot of threats from the Bishnoi gang after Siddiqui's murder. On April 14, there was firing outside Salman's house. The two accused who fired were arrested from Gujarat. After this, threatening calls were also received from Jamshedpur and Noida. Let us tell you, Salman has got Y+ category security. Face recognition CCTV cameras have been installed outside his house and police is deployed.

Shinde's need has been fulfilled so he was thrown out: Sanjay Raut

Mumbai: After Devendra Fadnavis was made the face of the Chief Minister in Maharashtra, Shiv Sena (Uddhav Thackeray) leader and Rajya Sabha MP Sanjay Raut made a big claim. He said in a press conference on Thursday, the era of Eknath Shinde, who was only 2 years old, is now over. Whatever was needed from him has been fulfilled. Now he has been thrown away. I want to tell you that Shinde will never become the Chief Minister of this state now. Raut claimed, these people (BJP) can also break Shinde's party. This has been a line of BJP's politics, they break or finish the party of those who work with them. From today Devendra Fadnavis is the Chief Minister of the state, he has the majority, but despite the majority, he was not able to form the government for 15 days.

TODAY'S BRIEF

A young man has been arrested for killing his parents and sister

New Delhi: The police solved the murder case of a couple and their 23-year-old daughter in Delhi's Neb Sarai on Wednesday within a few hours. Police say that the three were murdered by the couple's 20-year-old son Arjun. Arjun stabbed his sleeping parents and sister and went out for a morning walk. He returned from the walk and informed the police and his uncle about the murder. Arjun called the police on Wednesday morning and told them that someone had entered his house and murdered his father Rajesh Kumar (51), mother Komal (46) and sister Kavita (23) by slitting their throats with a knife. Arjun told the police that he had gone for a walk at 5:30 in the morning and when he returned, he found the bodies of all three lying in the room. Arjun also informed his neighbours and uncle so that no one would suspect him. After Arjun's information, the police and forensic team reached the spot and checked the CCTV footage, which did not show any evidence of anyone entering or leaving the couple's house. There was no theft, looting or vandalism in the house and the lock on the main gate was also intact. After this, Arjun was questioned. Arjun changed his statements during the day-long interrogation, which made the police suspicious. After strict interrogation, Arjun confessed to the murder. Arjun studied in Army School and is a graduate student in Delhi University. He has represented Delhi in boxing and won a silver medal at the state level. Arjun told that his father Rajesh always scolded him and asked him to study. A few days ago, he had insulted Arjun in front of the neighbors. Arjun was also angry with his parents for loving his sister Komal more. He suspected that his father would transfer the property in Komal's name. Police said that Arjun was furious when he came to know that Rajesh was going to make a will in Komal's name. He felt left out and left out. Police said that the accused Arjun had planned the murder several weeks ago. He used to go to the gym and walk every morning, so he made up this story. He chose December 4 as the day of murder because it was his parents' 27th wedding anniversary. Before going for a morning walk, Arjun went to the first floor and slit the throats of his father and mother with a knife so that no sound could be heard. After this, he slit the throat of Komal who was sleeping on the ground floor and went outside. He told the police that before going for a walk, he wished his mother on her anniversary and shouted from outside the house to close the gate. Arjun will be produced in court on Thursday.

Mumbai's maximum temperature reached 37.3 degrees Celsius, the hottest day of December on record

Mumbai: Along with political heat, the weather in Mumbai, Maharashtra is also feeling hot. On Wednesday, the maximum temperature of the day was recorded at 37.3 degrees Celsius, which was the hottest day of December in 16 years. According to the Indian Meteorological Department (IMD), on Wednesday, Santacruz recorded a temperature of 37.3 degrees Celsius and the Colaba weather station recorded a temperature of 35 degrees Celsius. Earlier, on December 5, 2008, Kalina recorded a temperature of 37.7 degrees Celsius. IMD has predicted that the maximum temperature of Mumbai will remain above 30 degrees for the next one week, while the minimum temperature is 25.5 degrees Celsius. According to weather experts, the maximum and minimum temperatures in Mumbai are 3 and 5 degrees Celsius higher than normal. Recently, on November 29, the minimum temperature was recorded at 16.5 degrees Celsius, which was the lowest in 8 years. The minimum temperature is likely to decrease further.<There was light rain in some parts of Mumbai in the past few days, which is being said to be the effect of cyclone Fengal. This had brought a change in the temperature. Weather experts say that the maximum temperature has risen due to the western winds coming late in the day. A few days ago, the fall in the minimum temperature was due to the eastern winds. At present, there is no possibility of the maximum temperature falling for a few days.

Service disrupted on Delhi Metro's Blue Line, train speed slowed down due to cable theft

New Delhi: Delhi Metro service, which is called the lifeline of Delhi, will remain disrupted on the Blue Line on Thursday. Due to cable theft between Moti Nagar and Kirti Nagar, there is less possibility of metro running on this route. Delhi Metro Rail Corporation told on X that the cable problem on this route will be resolved after the operations end at night. During this time, trains will run at limited speed on the affected route. A problem has arisen for those who leave home for office early in the morning. The Blue Line of Delhi Metro connects Dwarka in Delhi to Noida and Vaishali in Ghaziabad. In such a situation, the maximum number of passengers on this line are not only from Delhi but also from Noida and Ghaziabad. Delhi Metro said on the eve that there may be a delay in travel due to the stoppage of speed, so passengers should plan their journey accordingly.

Former MLA Jitendra Singh Shanti joins AAP

New Delhi: Former MLA and social worker Jitendra Singh Shanti joined the Aam Aadmi Party on Thursday. AAP's national convenor Arvind Kejriwal gave him the party membership and called it a matter of pride for the party. Famous social worker and Padma Shri Jitendra Singh Shanti has set a record by performing the last rites of unclaimed bodies, providing ambulance facilities to sick people and donating blood more than 100 times. He reached the Vidhan Sabha on a BJP ticket from Shahdara seat in 2013. After Ram Niwas Goyal's resignation from AAP, it is almost certain that Shanti will get the ticket from Shahdara.